शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 262 | गुवाहाटी | मंगलवार, 23 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सियाचिन पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, जवानों का हौसला बढ़ाया पेज 2
हग्रामा की गलती के कारण शरणिया दो बार सांसद बने : प्रमोद बोड़ो पेज 3
आपकी मेहनत की कमाई पर कांग्रेस अपना पंजा मारना चाहती है : नरेंद्र मोदी पेज 5
हम्पी महिला कैंडिडेट्स शतरंज में दूसरे स्थान पर रहीं, टाईब्रेकर में चीनी खिलाड़ी को हराया पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अस्थिर मन वाले की सोच स्थिर नहीं रहती।

- **आचार्य चाणक्य**

लोस चुनाव में भाजपा का खुला खाता

सूरत से निर्विरोध चुने गए मुकेश दलाल

सूरत। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का खाता खुल गया है। सूरत से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध चुना गया है। दरअसल, कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुम्भाणी का नामांकन रद्द होने के बाद बसपा समेत सभी आठ उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने मुकेश दलाल को विजेता घोषित किया। इससे पहले सूरत लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभाणी का नामांकन पत्र रविवार को खारिज कर दिया गया। जिला चुनाव अधिकारी ने प्रथम दृष्टया प्रस्तावकों के हस्ताक्षर में विसंगतियां पाईं। सूरत से कांग्रेस के वैकल्पिक उम्मीदवार सुरेश पडसाला का नामांकन पत्र भी अमान्य करार दिया गया, जिससे विपक्षी पार्टी इस निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव मैदान से बाहर हो गई। चुनाव अधिकारी सौरभ पारधी ने अपने आदेश में कहा कि कुंभाणी और पडसाला द्वारा सौंपे गए चार नामांकन फॉर्म को प्रस्तावकों के हस्ताक्षरों में प्रथम दृष्टया विसंगतियां पाए जाने के बाद खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि ये हस्ताक्षर असली नहीं लग रहे हैं। आदेश में कहा गया कि प्रस्तावकों ने अपने हलफनामों में कहा है कि उन्होंने फॉर्म पर खुद हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कांग्रेस के वकील बाबू मंगुकिया ने कहा कि नीलेश कुंभाणी और सुरेश पडसाला के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए हैं। चार प्रस्तावकों ने कहा है कि फॉर्म -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस और सीपीएम का पूरे देश में सांठ-गांठ : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सीपीएम केरल में एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ रही हैं, जबकि पूरे देश में दोनों का आपस में सांठ-गांठ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस यहां की जनता को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रही है, जो होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी यहां के लिए सिर्फ टूरिस्ट है। वे टूरिस्ट की तरह यहां आकर यहां से अपना सीट सुरक्षित करेंगे। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में 11 बूथों पर दोबारा हुई वोटिंग

इम्फाल (मणिपुर)। पूर्वोत्तर राज्य के आंतरिक-मणिपुर संसदीय क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर सोमवार को पुनर्मतदान शुरू हुआ। मतदान के दौरान हुई हिंसा के बाद चुनाव आयोग ने 11 बूथों पर दोबारा वोटिंग का आदेश दिया था। शुक्रवार (19 अप्रैल) को लोकसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान कुछ उपद्रवियों ने कथित तौर पर इन मतदान केंद्रों पर गोलीबारी की थी और ईवीएम को भी नष्ट कर दिया था। किसी भी दुर्घटना से -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी लोस सीट के दो उम्मीदवारों के नामांकन रद्द

गुवाहाटी (हि.स.)। लोकसभा चुनाव में गुवाहाटी लोकसभा सीट के लिए दाखिल 10 उम्मीदवारों में से दो उम्मीदवारों के नामांकन पत्र सोमवार को जांच के बाद रद्द कर दिया गया। अब इस सीट के लिए आठ उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। जिन दो उम्मीदवारों के नामांकन खारिज हुए हैं उनमें भारतीय राष्ट्रीय जनता पार्टी के नयन दास और निर्दलीय उम्मीदवार अर्पिता चौधरी शामिल हैं। सोमवार को गुवाहाटी लोकसभा सीट के लिए दाखिल उम्मीदवारों के नामांकन पत्र की जांच की गई। जांच के दौरान नामांकन में त्रुटियां पाए जाने पर भारतीय राष्ट्रीय जनता पार्टी के नयन दास और निर्दलीय उम्मीदवार अर्पिता चौधरी के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए। इस सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी की बिजुली कलिता मेधी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की मीरा बरठाकुर गोस्वामी, भारतीय गण परिषद के समद चौधरी, बहुजन महापार्टी के चेजन गयारी, एकम सनातन भारत पार्टी के अमिताभ शर्मा, वोटर्स पार्टी इंटरनेशनल दल के दीपक कुमार -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

साहित्यकारों को नैतिक स्वच्छता प्रस्तुत करने का दायित्व निभाना चाहिए : अशोक लव

नई दिल्ली (हि.स.)। साहित्य अकादेमी में मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत सोमवार को *साहित्य में स्वच्छता की अवधारणा* विषय पर प्रख्यात साहित्यकार अशोक लव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। तृतीय तल स्थित सभाकक्ष में हुए इस व्याख्यान के आरंभ में अशोक लव का स्वागत अकादेमी के उपसचिव प्रशासन कृष्णा किंबहुने ने अंग -शेष पृष्ठ दो पर

बिश्नोई गैंग ने राकांपा नेता जीतेंद्र आव्हाड को दी जान से मारने की धमकी

मुंबई (हि.स.)। बिश्नोई गैंग की ओर से सोमवार को राकांपा (एसपी) पार्टी के नेता जीतेंद्र आव्हाड को रंगदारी न देने पर जान से मारने की धमकी दी है। इस मामले की शिकायत जीतेंद्र आव्हाड ने पुलिस से की है और पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। जीतेंद्र आव्हाड ने पत्रकारों को बताया कि सोमवार दोपहर वे अपने घर में थे, तभी उनके पास एक अनजान नंबर से कॉल आई। इसमें -शेष पृष्ठ दो पर

गर्मी का सितम : लू के खतरों से बचने के लिए ईसी ने की हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली। देश के कुछ हिस्सों में बढ़ते तापमान और लू चलने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी को देखते हुए चुनाव आयोग ने सोमवार को मौसम विभाग के अधिकारियों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ बैठक की। इस बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू शामिल हुए। इसके अलावा भारतीय मौसम विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। लोकसभा चुनाव के दौरान लू से होने वाले खतरे को कम करने के उपायों पर चर्चा की गई। बता दें कि देश में सात चरणों वाले चुनाव के छह चरण अभी बाकी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मौसम विज्ञान -शेष पृष्ठ दो पर

एससी का बड़ा फैसला, नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को 28 हफ्ते का गर्भ गिराने की मिली इजाजत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को 14 वर्षीय कथित दुष्कर्म पीड़िता को उसकी लगभग 28 सप्ताह की गर्भावस्था का चिकित्सीय गर्भपात कराने की अनुमति दे दी। शीर्ष अदालत ने अस्पताल द्वारा प्रस्तुत मेडिकल रिपोर्ट को ध्यान में रखकर आदेश दिया। रिपोर्ट में नाबालिग की चिकित्सीय समाप्ति की राय दी गई थी और कहा गया था कि गर्भावस्था जारी रहने से नाबालिग के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए (जो इसे किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार देता है) मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोकमान्य तिलक नगर मेडिकल कॉलेज और जनरल अस्पताल (एलटीएमजीएच) के डीन को निर्देश दिया है। गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए मुंबई के सायन में तुरंत डॉक्टरों की एक टीम गठित की जाएगी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने 19 अप्रैल को नाबालिग की मेडिकल जांच का आदेश दिया था। बता दें कि पीड़िता ने 28 सप्ताह के गर्भ को गिराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 19 अप्रैल को इस नाबालिग के मेडिकल टेस्ट का आदेश दिया था। कोर्ट ने मुंबई के सायन स्थित लोकमान्य तिलक मेडिकल कॉलेज -शेष पृष्ठ दो पर

रतन टाटा कीस मानवतावादी सम्मान से सम्मानित

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व प्रसिद्ध भारतीय उद्योगपति और टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा को सोमवार को प्रतिष्ठित केआईआईएस (कीस) मानवतावादी सम्मान- 2021 से सम्मानित किया गया। मुंबई में उनके निजी आवास पर आयोजित पुरस्कार समारोह में कीट-कीस-कीम्स के संस्थापक एवं कंधमाल से लोकसभा सांसद प्रो.अच्युत सामंत ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। रतन टाटा को यह सम्मान उनके सामाजिक विकास और अनुकरणीय कॉर्पोरेट नेतृत्व के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया गया है। समारोह में टाटा समूह के अध्यक्ष एन.चंद्रशेखरन और तीन बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज सहित अनेक प्रतिष्ठित जन उपस्थित थे। इस पुरस्कार की घोषणा 2021 -शेष पृष्ठ दो पर

नक्सली आत्मसमर्पण कर दें अन्यथा खत्म कर देंगे : अमित शाह

कांकेर (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के नरहरपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम देश के कई राज्यों से नक्सलवाद का खात्मा कर चुके हैं, दो से तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ से भी नक्सलवाद खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि नक्सली आत्मसमर्पण कर दें, अन्यथा यह लड़ाई जारी रहेगी। इस देश से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद को समाप्त किया और अब नक्सलवाद समाप्ति की कगार पर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पांच वर्ष -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में संसद भवन से 20 जोड़ी जूते गायब, स्पीकर ने जताई चिंता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के संसद भवन (नेशनल असेंबली) के अंदर मस्जिद से जूते चोरी होने की एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, मस्जिद के बाहर से 20 जोड़ी जूते रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। इसे देखकर सुरक्षाकर्मी भी हैरान रह गए। बताया गया कि मस्जिद से जूते गायब होने के बाद संसद के स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए सुरक्षा विभाग से रिपोर्ट मांगी है। यह घटना शुक्रवार की नमाज के बाद की है। नमाज के दौरान नेशनल असेंबली के सदस्य, पत्रकार, संसदीय कर्मचारी समेत कई अन्य श्रद्धालु मस्जिद में मौजूद थे। जब तक वे नमाज पढ़कर बाहर निकलते उनमें से कई लोगों के जूते गायब हो चुके थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, जब मस्जिद में लोग नमाज अदा कर रहे थे, उसी दौरान चोर ने मौका पाकर 20 से अधिक जोड़ी जूते गायब कर दिए। नमाज पढ़कर जब सांसद और पत्रकार बाहर निकले तब उन्होंने जो नजारा देखा, उसे देखकर वे चौंक गए। उनमे -शेष पृष्ठ दो पर

प. बंगाल में थी 26/ 11 जैसे हमले की योजना, एसटीएफ ने आतंकी को पकड़ा

कोलकाता (हि.स.)। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के घर की रेकी कर हमले की योजना बना रहे एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। कोलकाता पुलिस ने उसे मुंबई के माहिम इलाके से गिरफ्तार किया है। शख्स की पहचान राजाराम रेगे के तौर पर हुई है। कोलकाता पुलिस ने दावा किया है कि राजाराम आतंकी है और उसका कनेक्शन मुंबई हमलों के हैंडलर डेविड हेडली से भी रहा है। इतना ही नहीं एसटीएफ का दावा है कि राजाराम कोलकाता में मुंबई के 26/11 जैसे हमले की साजिश रच रहा था। कोलकाता पुलिस के एडिशनल सीपी 1 मुरलीधर -शेष पृष्ठ दो पर

वेंकैया नायडू समेत कई हस्तियां पद्म पुरस्कारों से सम्मानित

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-1 में वर्ष 2024 के लिए 3 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 55 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति भवन के दरबार हाल में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और भरतनाट्यम नृत्यांगना डॉ. पद्मा सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण प्रदान किया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बिंदेश्वर पाठक को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। पाठक की पत्नी अमोला ने राष्ट्रपति से यह -शेष पृष्ठ दो पर

अयोध्या, उज्जैन और बद्रीनाथ...

भारतीयों को खूब भा रहा घूमना-फिरना आध्यात्मिक स्थलों की ओर बढ़ा रुझान

नई दिल्ली। देश के लोग अब पहले के मुकाबले अधिक यात्रा कर रहे हैं। साथ ही अयोध्या, उज्जैन और बद्रीनाथ जैसे आध्यात्मिक स्थलों के बारे में अधिक जानकारी हासिल की जा रही है। *मेकमाईट्रिप इंडिया ट्रैवल ट्रेंड्स रिपोर्ट* में उसके प्लेटफार्म के 10 करोड़ से अधिक सक्रिय यूजर से प्राप्त जानकारी और उनकी जिज्ञासाओं पर गौर करने के बाद यह बात सामने आई है। इससे पता चला कि 2019 के बाद से एक वर्ष में तीन से अधिक यात्राएं करने वाले लोगों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, **SUNIL UPADHYAY,** S/O Siv Kumar Rai, of Protesh View Apartment, Flat No. 7B, Hengrabari Road, Ganeshguri, P.O.: Assam Sachivalaya, P.S. : Dispur, Guwahati-06, Kamrup (M), have changed my name from **SUNIL RAI** to **SUNIL UPADHYAY** by an affidavit on 9th April 2024 before the Notary Public Kamrup (M) at Guwahati. I shall be known as **SUNIL UPADHYAY** instead of **SUNIL RAI** for all purposes from today.

सियाचिन पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, जवानों का हौसला बढ़ाया

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव प्रचार की व्यस्तताओं के बीच रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को सियाचिन पहुंचे। दुनिया की सबसे ऊंची *बैटल फील्ड* में तैनात सशस्त्र बलों के जवानों से बातचीत करके उनकी चुनौतियों को समझने का प्रयास किया। उन्होंने माइनस डिग्री के तापमान में भी देश की सरहद पर तैनात रहने के लिए सैनिकों का हौसला बढ़ाया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को इस बार होली का पर्व सैनिकों के साथ मनाने के लिए सियाचिन जाना था, लेकिन अचानक मौसम खराब होने की वजह से अंतिम समय में कार्यक्रम बदलना पड़ा। इसके बाद राजनाथ सिंह ने लेह के मिलिट्री स्टेशन में जाकर सशस्त्र बलों के साथ होली का त्योहार मनाया था। उन्होंने उसी समय सियाचिन में तैनात कमांडिंग ऑफिसर से जल्द सियाचिन आकर पाकिस्तान के मोर्चे पर तैनात जवानों से मुलाकात करने का वादा किया था। इसके बाद वे पहले चरण के लोकसभा चुनाव में बतौर स्टार प्रचारक चुनावी सभाओं और रैलियों में व्यस्त हो गए। इस बीच भारतीय वायु सेना ने 13 अप्रैल को पाकिस्तान के

खिलाफ चलाए गए *ऑपरेशन मेघदूत* की 40वीं वर्षगांठ मनाई लेकिन रक्षामंत्री चुनावी व्यस्तताओं के कारण इस कार्यक्रम में भी नहीं शामिल हो सके। इस बीच आज सुबह रक्षा मंत्री सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के साथ लेह, लद्दाख में थोइस हवाई अड्डे पर पहुंचे। इसके बाद रक्षामंत्री सिंह ने सियाचिन बेस कैंप में युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके शहीद बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख में सियाचिन ग्लेशियर के कुमार पोस्ट पर तैनात सशस्त्र बल के जवानों के साथ बातचीत की। उन्होंने सियाचिन की बर्फीली पहाड़ियों पर तैनात जवानों से बातचीत में उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी ली। रक्षा मंत्री ने जवानों को मिठाई खिलाकर उनका हौसला बढ़ाया और *भारत माता की जय* का उद्घोष किया। रक्षामंत्री ने कहा कि सियाचिन में ऑपरेशन मेघदूत की सफलता हम सभी भारतीयों के लिए गौरव का विषय है। दुनिया के सबसे ऊंचे इस युद्धक्षेत्र में हमारी सेनाओं ने जो बहादुरी दिखाई है, उस पर हमें नाज है। उन्होंने जवानों से कहा कि राष्ट्र की सीमाओं की सुरक्षा करने के लिए आप अपना सब कुछ न्योछावर कर देने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। आपका राष्ट्रप्रेम हम सब भारतीयों के लिए प्रेरणा का कार्य करता है। राजनाथ सिंह ने सियाचिन ग्लेशियर पर मातृभूमि की रक्षा के लिए तैनात सभी जांबाज सैनिकों को नमन किया। इससे पहले उत्तरी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने फॉरवर्ड फील्ड अस्पताल की परिचालन तैयारियों और चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा करने के लिए दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन के आगे के क्षेत्रों का दौरा किया। सेना कमांडर ने प्रताप पुर सैन्य स्टेशन को सर्वश्रेष्ठ ग्रीन स्टेशन पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने चुनौतीपूर्ण और कठिन परिस्थितियों में उनके संपूर्ण व्यावसायिकता और अनुकरणीय कार्य के लिए सभी रैंकों की सराहना की।

चुनाव में सांप्रदायिकता का जहर घोल रहे हैं डॉ. शर्मा : रकीबुल

हैलाकांदी (हिंस)। राज्य के पूर्व मंत्री तथा कांग्रेस के धुबड़ी लोकसभा सीट के उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा चुनाव में

सांप्रदायिकता का जहर घोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार धुबड़ी सीट पर एआईयूडीएफ के निवर्तमान सांसद तथा उम्मीदवार मौलाना बदरुद्दीन अजमल की हार से मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा को काफी झटका लगेगा। रकिबुल सोमवार को पार्टी उम्मीदवार हाफिज राशिद चौधरी के समर्थन में करीमगंज में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने बराक घाटी और ब्रह्मपुत्र घाटी के बीच संपर्क पुल के रूप में चौधरी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। हुसैन ने बराक घाटी में मोइनुल हक चौधरी के योगदान की तुलना में भाजपा के विकास प्रयासों को नगन्य करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन प्रक्रिया ने करीमगंज में हिंदुओं और मुसलमानों के राजनीतिक अधिकारों का हनन किया है। भाजपा के प्रदर्शन को निराशाजनक करार देते हुए रकिबुल ने करीमगंज के लोगों से किए गए वादे को पूरा नहीं करने का भाजपा पर आरोप लगाया। उन्होंने मतदाताओं से आसन्न चुनाव में हाफिज राशिद चौधरी को वोट देने का आग्रह किया। धुबड़ी निर्वाचन क्षेत्र में इस चुनाव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रकिबुल ने एआईयूडीएफ का इसमें सफाया होने की घोषणा की। उन्होंने भाजपा में शामिल होने के लिए सिद्दीक अहमद और कमलाक्ष दे पुरकायस्थ की निंदा की।

कटिहार और उदयपुर सिटी के बीच स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। गर्मी में भीड़ के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए पूसी रेलवे ने उदयपुर सिटी और कटिहार के बीच समर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। समर स्पेशल ट्रेन संख्या 09623/09624 (उदयपुर सिटी-कटिहार-उदयपुर सिटी) दोनों दिशाओं में दस-दस ट्रिपों के लिए चलाई जाएगी। इस मार्ग पर चलने वाली अन्य ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची वाले यात्री इन विशेष ट्रेनों में गरमी के दौरान आरामपूर्वक यात्रा करने के अवसर का लाभ उठा सकते है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया कि स्पेशल ट्रेन संख्या 09623 (उदयपुर सिटी-कटिहार) 23 अप्रैल से 25 जून तक प्रत्येक मंगलवार को उदयपुर सिटी से 16:05 बजे रवाना होगी और गुरुवार को कटिहार 02:45 बजे पहुंचेगी।

मोदी जी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध करने का काम किया : अमित शाह

रायपुर/कांकेर (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने सोमवार को छत्तीसगढ़ की कांकेर लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के पास 10 साल का ट्रैक रिकॉर्ड और अगले 25 साल का एजेंडा है। चार पीढ़ियों से राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने कभी छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना का समर्थन नहीं किया। कांग्रेस ने महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को पैसा नहीं दिया और ना ही किसानों को पैसा दिया। कांग्रेस ने तेंदु पत्ता वालों को बोनस नहीं दिया, घरों में गैस, बिजली, शौचालय और नल से जल नहीं दिया। कांग्रेस की सरकार ने किसानों के धान को कभी 3,100 रुपए में नहीं खरीदा। मोदी सरकार में गरीबों को आवास, गैस, बिजली, शौचालय, मुफ्त अनाज और नल से जल देने का काम किया जा रहा है। नरेंद्र मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य का खर्चा नि:शुल्क कर दिया है। मोदी 3.0 में 70 साल से ऊपर सभी वरिष्ठ नागरिकों को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक अनुच्छेद 370 को बनाए रखा लेकिन मोदी जी ने 5 अगस्त, 2019 को इसे समाप्त कर दिया। इस देश से आतंकवाद को पूर्णतया खत्म और नक्सलवाद को समाप्ति के कगार पर लाने का काम मोदी जी ने किया है। मोदी जी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध करने का काम किया है। श्री अमित शाह ने कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के शासन में 5 साल तक महादेव एप कांड चलता रहा। महज 4 महीने के अंदर भाजपा की छत्तीसगढ़ सरकार ने 90 से ज्यादा नक्सलवादियों को समाप्त करने का काम किया है। 123 लोग गिरफ्तार हुए, 250 लोगों ने समर्पण किया। आज आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश से नक्सलवाद जड़ से खत्म हो चुका है। आने वाले दो वर्षों में मोदी सरकार छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सालों तक आदिवासी मंत्रालय नहीं बनाया लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य भी बनाया और आदिवासी मंत्रालय का भी गठन किया। मोदी जी ने जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ सुरक्षा, सम्मान और समावेशी विकास की दिशा में काम किया है।

पृष्ठ एक का शेष

सूरत से निर्विरोध...

पर उनके हस्ताक्षर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार मुकेश दलाल के चुनाव एजेंट दिनेश जोधानी ने शनिवार को नामांकन पत्र पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद चुनाव अधिकारी ने कांग्रेस उम्मीदवार को अपना पक्ष रखने के लिए रविवार सुबह उपस्थित होने का समय दिया था। कुंभाणी ने अपने जवाब में कहा कि प्रस्तावकों ने उनकी मौजूदगी में अपने हस्ताक्षर किए थे और उनके हस्ताक्षरों की जांच लिखावट विशेषज्ञ से कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि न्याय के हित में उनसे भी पूछताछ की जानी चाहिए। निर्वाचन अधिकारी ने प्रस्तावकों द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र और संबंधित साक्ष्यों पर विचार करने, प्रस्तावकों की पहचान और यह सुनिश्चित करने के बाद नामांकन पत्र खारिज करने का आदेश दिया कि उन्हें धमकी नहीं दी गई थी या वे दबाव में नहीं हैं। आदेश में कहा गया है कि कांग्रेस उम्मीदवार के वकील के अनुरोध पर जांच किए गए वीडियो फुटेज में भी प्रस्तावकों की उपस्थिति नहीं पाई गई। भाजपा ने सूरत लोकसभा सीट पर मुकेश दलाल को मैदान में उतारा है। दलाल (63) भाजपा शासित सूरत नगर निगम की स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष हैं और वर्तमान में पार्टी की सूरत शहर इकाई के महासचिव हैं। वहीं, भावनगर लोकसभा सीट से आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार उमेश मकवाणा और अमरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार जेनी थुम्मर के नामांकन दोनों पक्षों को सुनने के बाद संबंधित चुनाव अधिकारियों द्वारा स्वीकार कर लिए गए। भाजपा ने दोनों उम्मीदवारों के फॉर्म पर आपत्ति जताते हुए दावा किया था कि उन्होंने अपने फॉर्म के साथ जमा किए गए हलफनामे में कुछ विवरण छिपाए हैं। गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन है। कांग्रेस ने 26 में से 24 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि आप भावनगर और भरूच सीट पर चुनाव लड़ रही है।

कांग्रेस और सीपीएम ...

आरोप लगाया कि चुनाव राहुल गांधी वायनाड से इसलिए चुनाव लड़ रहे हैं कि उन्हें कोई सुरक्षित सीट लोकसभा चुनाव जीतने के लिए चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी को यहां के लोगों से कोई लेना-देना नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा आज केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि राहुल गांधी हमेशा ही संसद में अनुपस्थित रहते हैं। उन्हें जनता के मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है। बस उन्हें अपना एमपी का पद सुरक्षित रखना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वायनाड के लोग राहुल को चुनाव में सबक सिखाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में वायनाड से चुनाव लड़ने के राहुल गांधी के फैसले के कारण विवाद खड़ा हो गया था। लोगों ने उनके उद्देश्यों और निर्वाचन क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए थे। इस चुनाव में यहां के लोग राहुल गांधी को अच्छी तरह सबक सिखा देंगे। उन्होंने कहा कि 2026 में केरल में भाजपा की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुस्लिम लीग किसी को धमकी नहीं दे सकती है। यदि धमकी देती है तो उसे उठाकर पाकिस्तान फेंक देंगे। मुख्यमंत्री ने आज केरल में दो लोकसभा क्षेत्रों में बड़े-बड़े रोड शो में भाग लिया। उल्लेखनीय की राहुल गांधी यहां से चुनाव लड़ रहे हैं।

मणिपुर में 11 ...

बचने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एक स्थानीय ने बताया कि हम मतदान करने आए हैं। यहां पुनर्मतदान हो रहा है। सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जिन मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान कराया जाएगा, उनमें खुरई निर्वाचन क्षेत्र के मोइरंगकम्पु साजेब और थोंगम लीकाई, क्षेत्रीगाओ के चार और इंफाल पूर्वी जिले के थोंगजू में एक तथा उरीपोक में तीन एवं इंफाल पश्चिम जिले के कोंथौजम में एक मतदान केंद्र शामिल है। 19 अप्रैल को हुई हिंसा की घटनाओं में लोकसभा चुनाव में वोटिंग के दौरान फायरिंग के बाद एक नागरिक के घायल होने की खबर आई और मणिपुर के इंफाल के मोइरंगकम्पु सजेब अवांग लीकाई में एक मतदान केंद्र पर झड़प की खबर सामने आई थी। आंतरिक मणिपुर संसदीय क्षेत्र के सभी 32 विधानसभा क्षेत्रों और बाहरी मणिपुर (एसटी) संसदीय क्षेत्र के 15 विधानसभा क्षेत्रों में लोकसभा के लिए मतदान हुआ। बाहरी मणिपुर के शेष 13 खंडों के लिए मतदान दूसरे चरण में 26 अप्रैल को होगा। वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

गुवाहाटी लोस सीट...

बोड़ो और निर्दलीय उम्मीदवार काजी नेकीब अहमद के नामांकन वैध घोषित किए गए। कामरूप मेट्रोपोलिटन जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार वैध नामांकन पत्र वाले उम्मीदवारों में से यदि कोई अपनी उम्मीदवारी वापस लेना चाहता है तो वह 22 अप्रैल को दोपहर तीन बजे तक अपना नामांकन पत्र वापस ले सकता है।

गर्मी का सितम...

महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि आईएमडी भारत के चुनाव आयोग के साथ लगातार संपर्क में है। मौसमी पूर्वानुमानों के साथ-साथ, हम मासिक, सप्ताह-वार और दैनिक पूर्वानुमान कर रहे हैं और उन्हें गर्मी की लहरों और आर्द्रता के स्तर के बारे में पूर्वानुमान दे रहे हैं। हम ईसीआई को उन स्थानों के बारे में इनपुट और पूर्वानुमान प्रदान कर रहे हैं जहां विभिन्न चरणों में चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले, 11 अप्रैल को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी गर्मी के मौसम की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की थी। प्रधानमंत्री को आगामी गर्म मौसम (अप्रैल से जून) के पूर्वानुमान सहित अप्रैल से जून 2024 की अवधि के लिए तापमान के बारे में जानकारी दी गई। आईएमडी के मुताबिक, देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है। इसमें पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, पूर्वोत्तर राज्यों और उत्तरी ओडिशा के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिकतम तापमान होने की संभावना है।

एससी का बड़ा ...

एवं अस्पताल (एलटीएमजीएच) से इस संबंध में रिपोर्ट देने को कहा था कि अगर पीड़िता चिकित्सकीय रूप से गर्भपात कराती है या उसे ऐसा न करने की सलाह दी जाती है तो इसका उसकी शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर क्या असर पड़ने की संभावना है।

रतन टाटा कीस...

में की गई थी, लेकिन तब कोरोना महामारी के कारण यह पुरस्कार अब प्रदान किया गया है। इस मौके पर डॉ. सामंत ने कहा कि रतन टाटा इस सम्मान से सम्मानित करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि रतन टाटा के सामाजिक कार्य और नेतृत्व ने बचपन से ही उन्हें प्रभावित किया है। उनके पिता टाटा कंपनी के एक कर्मचारी थे। तब से, रतन टाटा का सम्मान करता आ रहा हूं और उन्हें पसंद करता रहा हूं। 2008 में डॉ. अच्युत सामंत द्वारा शुरू किया गया *कीस मानवतावादी सम्मान* दुनिया भर में मानवीय कार्यों की भावना को मूर्त रूप देने वाले व्यक्तियों और संगठनों को मान्यता देने के लिए समर्पित है।

नक्सली आत्मसमर्पण कर...

तक भूपेश बघेल की सरकार थी, नक्सलियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती थी। उन्होंने कहा कि विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाया गया तो चार महीने में ही 90 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया, 123 गिरफ्तार हुए और 250 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। हमने नक्सलवाद को समाप्ति के कगार पर लाने के साथ-साथ विकास का काम भी किया है। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस को वोटबैंक की चिंता है, कांग्रेस ने राममंदिर निर्माण को लटका कर रखा था। इनके नेता रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा में भी नहीं पहुंचे। यह सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकाल में बड़े-बड़े फैसले लिए गए जो 70 सालों में नहीं लिए गए। आतंकवाद को समाप्त किया। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर बीते 10 वर्षों में बहुत बड़ा परिवर्तन किया। मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिनके पास 10 साल का ट्रैक रिकॉर्ड भी है और आने वाले 25 वर्षों का एजेंडा भी है। अमित शाह ने कहा कि राहुल बाबा से पूछना चाहता हूं कि चार दशक तक छत्तीसगढ़ के गरीबों के लिए क्या किया? हमने आतंकवाद खत्म किया, अब नक्सलवाद समाप्ति के कगार में है। देश के 60 करोड़ गरीबों को 05 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज दिया। अब आगे के लिए मोदीजी की गारंटी है कि 70 वर्ष से अधिक के आयु वाले बुजुर्गों को भी आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज दिया जाएगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे कहते हैं कि छत्तीसगढ़ का जम्मू-कश्मीर से क्या लेना-देना है। खड़गे आपकी और राहुल बाबा की चाहे जो सोच हो लेकिन कश्मीर के लिए छत्तीसगढ़ का बच्चा-बच्चा जान देने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान में संसद ...

से अधिकांश के जूते गायब थे। जूते गायब होने पर कई लोगों ने हंगामा भी किया। इस दौरान उन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि अब क्या किया जाए। ऐसे में उन्हें नंगे पैर ही वापस लौटना पड़ा। हालांकि, कुछ लोग नंगे पैर जाने के लिए तैयार नहीं थे, वे अन्य विकल्प की तलाश कर रहे थे। इस घटना पर नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने सुरक्षा चूक पर गंभीर चिंता जताई है। सूत्रों के अनुसार, जब चोरी हुई, उस समय सुरक्षाकर्मी मौके पर मौजूद नहीं थे। इस घटना को लेकर अब कार्रवाई करने की मांग की जा रही है। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज के जरिए चोर को ढूंढने की कोशिश की जा रही है।

प. बंगाल में थी ...

शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि कोलकाता पुलिस ने तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी के घर की रेकी के मामले में मुंबई से राजाराम रेगे को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि राजाराम ने साल 2011 के मुंबई हमले से पहले डेविड हेडली से मुलाकात की थी। पुलिस का कहना है कि आतंकी हेडली ने शिकागो की एक कोर्ट में 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के मुकदमे में अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में अपने बयान में कहा था कि वह मध्य मुंबई के दादर में शिवसेना भवन गया था और राजाराम रेगे से मिला था। एडिशनल सीपी ने बताया कि राजाराम को कोलकाता में देखा गया था। उसने साउथ कोलकाता के होटल रुका था। उसके पास अभिषेक बनर्जी और उसके पीए का नंबर भी था। कोलकाता पुलिस का कहना है कि 26/11 जैसे हमले का प्लान किया जा रहा था। आरोपित ने अभिषेक बनर्जी के घर की रेकी करने की भी कोशिश की थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि राजाराम ने कोलकाता में कुछ और लोगों से मुलाकात की थी। पुलिस ने बताया कि मामले में जांच जारी है।

वेंकैया नायडू समेत...

पुरस्कार ग्रहण किया। राष्ट्रपति ने फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती, पॉप गायिका उषा उत्थुप, उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक, डॉ. सीताराम जिन्दल, हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. तेजस मधुसूदन पटेल, दत्तात्रेय अंबादास मायालू और डॉ. चंद्रेश्वर प्रसाद ठाकुर को पद्म भूषण प्रदान किया। राष्ट्रपति ने इसके अलावा टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और असम के ओजपली लोक नर्तक द्रोण भुइयां सहित अन्य को पद्मश्री प्रदान किया। इस मौके पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह सहित अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं। इनमें पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री शामिल हैं। ये पुरस्कार विभिन्न विषयों या क्षेत्रों में दिए जाते हैं। इनमें कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा आदि शामिल हैं। पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और पद्म श्री किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है।

भारतीयों को खूब भा...

आध्यात्मिक पर्यटन संबंधी जानकारी हासिल करने की गतिविधि में 2021 की तुलना में 2023 में 97 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसमें कहा गया, छोटे तथा मझोले शहरों में धार्मिक महत्व वाले स्थलों की जानकारी हासिल करने के मामलों वृद्धि देखी जा रही है। अयोध्या में 2022 की तुलना में 2023 में 585 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। इसी तरह उज्जैन और बद्रीनाथ को लेकर की गई खोज (सर्च) में क्रमश: 359 प्रतिशत और 343 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट से पता चला है कि सप्ताहांत में घूमने वाले गंतव्यों में जिम कार्बेट नेशनल पार्क के बारे में 2022 की तुलना में 2023 में 131 प्रतिशत अधिक जानकारी बटोरी गई। ऊटी और मुन्नार जैसे हिल स्टेशन भी लोकप्रिय विकल्प हैं, खासकर देश के दक्षिणी हिस्से में। रिपोर्ट में अंतर्राष्ट्रीय यात्राओं की भी जानकारी दी गई। दुबई, बैंकाक और सिंगापुर शीर्ष तीन सबसे अधिक खोजे गए गंतव्य बने हुए हैं, जबकि लंबी दूरी की यात्रा के लिए लोगों ने सबसे अधिक लंदन, टोरंटो और न्यूयार्क में रुचि दिखाई। इसके अलावा, पारिवारिक यात्रा की बुकिंग तेजी से बढ़ रही है। इसमें 2022 की तुलना में 2023 में 64 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी अवधि में एकल यात्रा की बुकिंग में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

साहित्यकारों को नैतिक ...

वस्त्रम एवं साहित्य अकादेमी के प्रकाशन भेंट करके किया। साहित्यकार अशोक लव ने अपने लेखन और विभिन्न साहित्यकारों से हुए संपर्क के संस्मरणों के आधार पर अपने वक्तव्य में कहा कि हर साहित्यकार के समाज के प्रति कुछ दायित्व होते हैं, जिनका उसे पूरी सजगता से पालन करना चाहिए। इसमें समाज के नैतिक आचरण की स्वच्छता को बरकरार रखना उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। नैतिक स्वच्छता की प्रस्तुति के कारण ही कोई रचना पूरे परिवार द्वारा पढ़ी जा सकती है। साहित्य अकादेमी ऐसे ही संस्कार देने वाली संस्था है। चरित्र की स्वच्छता को चित्रित करना ही साहित्यकार का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हीं लेखकों का साहित्य अमर है जिन्होंने यथार्थ को इस तरह से प्रस्तुत किया, जिसे हर कोई पाठक बिना किसी संकोच के पढ़ सके। इससे पहले साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव द्वारा कार्यालय के सभी कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

बिश्नोई गैंग ने ...

वह खुद को बिश्नोई गैंग का शार्प शूटर बताते हुए फोन पर बात करने लगा। उसने यह भी बताया कि उसका नाम रोहित गोदारा है और वह ऑस्ट्रेलिया से कॉल कर रहा है। इसके अलावा, उसने यह कहकर फिरौती की मांग की कि उसने सलमान खान के घर पर गोलीबारी की थी। अगर रंगदारी नहीं मिली तो तुम्हें नुकसान होगा, इसके लिए कफन खरीद लो। बताया जा रहा है कि रोहित गोदरा राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामड़ी की हत्या के मामले में आरोपित है। इस मामले की छानबीन पुलिस कर रही है। दरअसल पिछले सप्ताह बिश्नोई गैंग के दो बदमाशों ने फिल्म अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास के सामने हवाई फायरिंग की थी। इस मामले में दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की गहन छानबीन जारी है। अब फिर से जीतेंद्र आव्हाड को मिली धमकी से पुलिस महकमा सतर्क हो गया है।

अमेरिका ने भारत में लागू सीएए को लेकर फिर झाड़ा ज्ञान

वाशिंगटन। अमेरिका ने भारत में लागू सीएए को लेकर फिर ज्ञान झाड़ा है और एक रिपोर्ट में नया दावा किया है। अमेरिका संसद की एक स्वतंत्र शोध इकाई द्वारा जारी एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि भारत में इस वर्ष लागू किए गए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के प्रावधानों से भारतीय संविधान के कुछ अनुच्छेदों का उल्लंघन हो सकता है। भारत के 1955 के नागरिकता अधिनियम में संशोधन कर इस साल मार्च में सीएए को लागू किया गया है। कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) की *इन फोकस* रिपोर्ट में दावा किया गया कि सीएए के प्रमुख प्रावधानों से भारतीय संविधान के कुछ अनुच्छेदों का उल्लंघन हो सकता है। सीएए के तहत, 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता मिलेगी। भारत सरकार और सीएए के अन्य समर्थकों ने दावा किया है कि इसका

उद्देश्य पूरी तरह से मानवीय है। भारत सरकार ने सीएए के खिलाफ की गई आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि इसे *वोट-बैंक की राजनीति* का नाम नहीं देना चाहिए जबकि ये संकट में फंसे लोगों की मदद के लिए एक *प्रशंसनीय पहल* है। रिपोर्ट में कहा गया कि इस कानून के विरोधियों ने चेतावनी दी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी हिंदू राष्ट्रवादी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक हिंदू बहुसंख्यकवादी, मुस्लिम विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ा रही हैं, जिससे भारत को आधिकारिक रूप से धर्मनिरपेक्ष गणराज्य का दर्जा देने वाली छवि धूमिल होती है। साथ ही इससे अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानदंडों और दायित्वों का भी उल्लंघन होता है। सीआरएस की तीन पन्नों वाली इन फोकस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि भारत सरकार द्वारा नियोजित राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और सीएए कानून से से भारत के करीब 20 करोड़ मुस्लिम अल्पसंख्यकों के अधिकारों को खतरा है। सीआरएस रिपोर्ट ने अमेरिकी संसद को बताया कि वर्ष 2019 में अमेरिकी राजनयिक ने सीएए के प्रति चिंता व्यक्त की थी। हालांकि, इससे भारत और अमेरिका के संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पश्चिम बंगाल में एक चुनावी रैली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में सीएए को लागू होने से कोई नहीं रोक सकता।

आठ मतदान केंद्रों पर पुनर मतदान 24 अप्रैल को

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश में एक साथ होने वाले चुनाव में 8 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान होगा, जो आगामी 24 अप्रैल को होगा। आज इटानगर के निर्वाचन भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी पवन कुमार सइन ने बाताया कि भारत चुनाव आयोग ने 8 मतदान केंद्र पर पुनर मतदान होगा जिनमें पूर्वी कामेंग जिले के बामेंग विधानसभा क्षेत्र (एसी)के 40-सारियो, 22 कुरुंग कुमे जिला के न्यापिन विधानसभा क्षेत्र के 13-लोंगटे लोथ मतदान केंद्र -ऊपरी सुबनसिरी जिले के नाचो विधानसभा क्षेत्र 22 डिंगसर, 33-बोंगिया सियुम, 34-जिम्बारी और 45-लेंगी मतदान केंद्र और सियांग जिले के अंतर्गत रमगोंग विधानसभा क्षेत्र के 19-बोंगने और 22-मोलोम मतदान केंद्र शामिल है। पुनर मतदान आगामी 24 अप्रैल को सुबह 6 से 2 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि पोलिंग दल पूरी कोशिश करेगा की सभी वोटरों को वोट डालने का मौका मिले।

हग्रामा की गलती के कारण शरणिया दो बार सांसद बने : प्रमोद बोड़ो

गुवाहाटी (हिंस)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने कहा है कि हग्रामा महिलारी की गलतियों के कारण नब कुमार शरणिया कोकराझाड़ से दो बार सांसद बन गए। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा उनके एसटी सर्टिफिकेट को अवैध करार दिया गया है। कानून के अनुसार उनके विरुद्ध कार्रवाई होती रहेगी। प्रमोद बोड़ो आज भारत-भूटान सीमा पर हाथीचर इलाके में एक चुनावी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोकराझाड़ से एनडीए तथा यूपीपीएल के प्रत्याशी जयंत बासुमतारी भारी मतों से चुनाव जीतेंगे। उन्होंने कहा कि न सिर्फ बोड़ोलैंड और असम, बल्कि पूरे देश में लोग भाजपा तथा एनडीए में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के कुशल नेतृत्व में जिस प्रकार

देश और राज्य का विकास हो रहा है, उससे सभी एकजुट होकर नरेंद्र मोदी के साथ आ गए हैं। उन्होंने कहा कि बोड़ोलैंड में स्थापित हुई शांति की वजह से आज बोड़ोलैंड का चिरांग जिला लगातार दूसरी बार मैट्रिक परीक्षा में राज्य भर में प्रथम स्थान पर रहा है। उन्होंने कहा कि आज अच्छा परिवेश बना है, इसलिए छात्र भी अच्छी तरह पढ़ाई कर रहे हैं, किसान अच्छी तरह खेती कर रहे हैं। सभी अपने-अपने काम सही तरीके से कर रहे हैं। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि किसी भी जाति और धर्म के लोगों के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। सभी को शांतिपूर्वक रहने, काम करने और सुविधाएं प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज सभी मिलकर एक सुंदर, शांतिपूर्ण और प्रगति वाला बोड़ोलैंड बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। इस दौरान बीटीसी प्रमुख ने पत्रकारों के अन्य कई प्रश्नों के भी सीधे-सीधे उत्तर दिए।

मंगलदै में निकला भाजपा का रोड शो, आम जनता ने घर के बाहर दीप प्रज्ज्वलित किए

दरंग (हिंस)। दरांग-उदलगुड़ी लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार दिलीप सैकिया के लिए मंगलदै में एक रोड शो किया गया। यह रोड शो मंगलदै मेधीपाड़ा के हाथीबकरा से शुरू हुआ और तेलीपाड़ा होते हुए सनातन धर्म सभा परिसर तक निकला। ग्रेटर मेधीपाड़ा, बरुवापाड़ा, तेलीपाड़ा आदि की आम जनता ने घर के बाहर दीप प्रज्ज्वलित करके दिलीप सैकिया का स्वागत किया। रोड शो में मंत्री जयंत मल्लबरुवा के साथ भाजपा उम्मीदवार दिलीप सैकिया, प्रणब नारायण देब, जिला भाजपा अध्यक्ष अमरेंद्र शर्मा और मत्स्य विकास निगम के अध्यक्ष गुरुज्योति दास खुली जीप में मंगलदै कस्बे से गुजरे। इसके अलावा असम गण परिषद के उपाध्यक्ष अपूर्व भट्टाचार्य ने दरंग के अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में पांच चुनावी सभाओं में हिस्सा लिया। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता किशोर भट्ट और दरंग भाजपा के चंदन सैकिया ने भी रैली में हिस्सा लिया। दरंग के शेरपुर, ओजागांव, लताखट, केओत्सुबा, अभय पुखुरी और खतनियापाड़ा में चुनावी सभाएं आयोजित हुईं। सभा को संबोधित करते हुए भट्टाचार्य ने *सबका साथ, सबका विकास* की नीति के साथ देश के मुसलमानों को आगे बढ़ाने के राजग सरकार के प्रयासों का उल्लेख किया। दरंग के युवा नेता चंदन सैकिया ने कहा कि भाजपा सरकार के दौरान सरकारी योजनाओं से सभी अल्पसंख्यकों को लाभ हुआ है। मंगलदै के पूर्व विधायक हिरेन कुमार दास और असम गण परिषद के अध्यक्ष कमलेश्वर बरुवा भी बैठकों में मौजूद थे।

विद्या भारती पूर्वोत्तर का दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी। विद्या भारती द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रांत स्तरीय कार्यालय प्रमुख, प्रचार प्रमुख एवं अभिलेखागार प्रमुखों की दो दिवसीय बैठक का आयोजन असम प्रकाशन भारती गुवाहाटी में हुआ। विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री अवनीश भटनागर जी का उद्बोधन उद्घाटन सत्र में प्राप्त हुआ। बैठक की प्रस्तावना क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रायचौधुरी ने रखी। अकाउंट सहित कार्य के डिजटलीकरण एवं प्रबंधन नीति संबंधी जानकारी विभिन्न सत्रों में प्रदान की गई। सीए विकास नागपुरिया, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य योगेंद्र सिंह सिसोदिया सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ असम क्षेत्र प्रचार प्रमुख डॉ. सुनील मोहंती, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रचार प्रमुख विकाश शर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने समापन सत्र में बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

श्री दिगंबर जैन विद्यालय का रहा शानदार परीक्षाफल

गुवाहाटी। असम मध्यमिक शिक्षा परिषद सेवा द्वारा संचालित मैट्रिक की परीक्षा के नतीजो में हर बार की तरह इस बार भी ऐसी रोड स्थित श्री दिगंबर जैन विद्यालय का शानदार प्रदर्शन रहा। इस वर्ष भी स्कूल के विद्यार्थियों ने पूर्व से और अधिक बेहतर प्रदर्शन किया, जिससे विद्यालय की श्रेष्ठता बरकरार है। मालूम हो कि इस बार सभी विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान हासिल किया है। स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रश्मि जैन ने बताया कि इस वर्ष आयोजित एचएसएलसी परीक्षा में 16 विद्यार्थी बैठे थे और सभी विद्यार्थियो ने प्रथम स्थान प्राप्त करने में कामयाब रहे। इनमें 3 को डिस्टिंक्शन व 6 को स्टार मार्क्स मिले है,जबकि अलग-अलग विषयो में विद्यार्थियों को कुल 48 लेटर अंक हासिल किए। वही 89 प्रतिशत अंक हासिल कर महक भंसाली स्कूल की टापर रही। विद्यालय के प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष हंसराज रारा ने सभी बच्चों के अलावा शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी। वही विद्यालय के सचिव कपूर चंद्र पाटनी ने बच्चों के बेहतर प्रदर्शन पर उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

रंगिया : *सारथी शांति निवास* के भूमिदाता शंकर शर्मा सहित कई लोगों का अभिनंदन

रंगिया (विभास)। राज्य के अनाथ लोगों के बीच सारथी के रूप में खड़े रहने वाले *सारथी शांति निवास* के लिए भूमिदान कर मानवता की मिशाल कायम करने वाले रंगिया के निकट पीतांबर हाट बजाली गांव के निवासी शंकर शर्मा को आज शांति निवास के पदाधिकारियों ने आज औपचारिक रूप से अपना आभार व्यक्त किया। साथ ही इस मौके पर *सारथी शांति निवास* के काम में विशेष रुप से मदद के लिए रंगिया नगर के वार्ड नंबर 1 के अमरेंद्र लहकर और वार्ड नंबर 3 के सैयद मईदुल इस्लाम के प्रति भी ट्रस्ट द्वारा आभार व्यक्त किया गया। रंगिया पौरसभा कार्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि के रुप में रंगिया राइजमेल कृषक स्मृती रक्षा समिति के सचिव पबीन कलिता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। *सारथी शांति निवास* के संचालक विपुल कलिता द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में उपस्थित व्यक्तियों ने ट्रस्ट के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए मूल्यवान भाषण दिया। आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार तापस समादार, महेंद्र कालीता सहित कई पत्रकार, रंगिया क्षेत्र के कई प्रमुख लोग और सारथी शांति निवास के पदाधिकारी व सभी सदस्य उपस्थित थे।

जेसीआई रंगिया रॉयल्स ने सिविल अस्पताल को ऑक्सीजन गैस सिलेंडर किया प्रदान

रंगिया (विभास)। जेसीआई रंगिया रॉयल्स ने आज बोनगांव स्थित रंगिया महकमा सिविल अस्पताल को एक ऑक्सीजन गैस सिलेंडर प्रदान किया। यह ऑक्सिजन गैस भर्ती सिलिंडर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल द्वारा शोभा अग्रवाल और गरिमा सिकरिया की उपस्थिति में उप अधीक्षक दिलीप कुमार वैश्य को सौंपा गया। इस मौके पर संस्था की ओर से अस्पताल के उप अधीक्षक दिलीप बैश्य सहित मौके पर उपस्थित सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों का फूलाम

गामोछा से अभिनंदन किया। वही अस्पताल के अधिकारियों ने संस्था द्वारा की गई इस नेक पहल की सराहना की। जेसीआई रंगिया रॉयल्स की अध्यक्षा शोभा अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने मे अंकुर लुंडिया, प्रियल क्याल, विनीत वैद्य सहित सभी सदस्यों का भरपुर सहयोग रहा।

पुलिस कांस्टेबल का शव थाना परिसर के तालाब में तैरता हुआ पाया गया

गोलाघाट (हिंस)। चुनाव की ड्यूटी पर तैनात गोलाघाट पुलिस थाने के पुलिस कांस्टेबल राणा वीर चौरेन का शव बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार वह दो दिन पहले से लापता था। चौरेन की मृत्यु का सही कारण पता नहीं चला है, क्योंकि उसका शव थाना परिसर के भीतर एक तालाब में तैरता हुआ पाया गया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए गोलाघाट के शहीद कुशल कोंवर सिविल अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मैट्रिक परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त झरना सैकिया सम्मानित

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआलि के मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआली शाखा ने आज असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सेवा) द्वारा घोषित 2024 वर्ष के मैट्रिक परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त विश्वनाथ जिले के प्रमुख शिक्षण संस्थान शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन की छात्रा झरना सैकिया को विशेष सम्मान से सम्मानित की। सर्वप्रथम मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा के पदाधिकारी जिले के गड़ेहांगी स्थित व्यवसायी सुरेन्द्र नाथ सैकिया और आंगनबाड़ी कर्मी जोनाली सैकिया की पुत्री झरना सैकिया के गृह पहुंचकर बधाईयां और शुभकामनाएं दी। इसके बाद विशेष सम्मान समारोह रखा गया। जिसमें शाखा के उपाध्यक्ष दिलीप शर्मा और सचिव संदीप अग्रवाल ने मेधावी विद्यार्थी झरना सैकिया को फुलाम गामोछा, अभिनंदन पत्र, खराई और धनराशि से सम्मानित किया। इस

अवसर पर कार्यक्रम में शाखा के उपाध्यक्ष दिलीप शर्मा, सचिव संदीप अग्रवाल, सदस्य अशोक अग्रवाल और मारवाड़ी सम्मेलन के विश्वनाथ चारिआलि शाखा के गणमान्य महानुभाव उपस्थित था। उल्लेखनीय है कि झरना सैकिया ने कुल 600 अंकों में से 590 अंक हासिल कर राज्य में दूसरा स्थान हासिल किया। मेधावी छात्रा झरना ने असमिया में 98, अंग्रेजी में 100, गणित में 94, सामान्य विज्ञान में 98, समाज अध्ययण में 100 और उन्नत गणित में 100 अंक प्राप्त की। फिल्में देखने और किताबें पढ़ने की शौकीन झरना को उम्मीद है कि वह आने वाले दिनों में एक अच्छी डॉक्टर बनेगी।

मायुमं, बिलासीपाड़ा शाखा का शपथ विधि समारोह संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच बिलासीपाड़ा शाखा का शपथ विधि समारोह आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जॉन-1 हिमशिखर खंडेलिया, राष्ट्रीय संयोजक व्यक्ति विकास राज चौधरी, शाखा के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र सेठिया, मंडलीय उपाध्यक्ष मितेश सुराणा, प्रांतीय संयोजक श्रीमती रिचा बोथरा, नेशनल फॉर्म के मेंबर राकेश मालू, मारवाड़ी एसोसिएशन के अध्यक्ष गणेशमल सेठिया एवं उपाध्यक्ष रमेश अगरवाल पूर्व मंडलीय उपाध्यक्ष सुभाष बैद एवं राजीव सेठिया, तथा समाज के सदस्य एवं शाखा के साथी काफी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व अध्यक्ष अमित सिंघी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यक्रम के आरंभ की घोषणा की। दीप प्रज्ज्वलन तथा असम के जातीय गीत का सामूहिक संगान के पश्चात शाखा गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण हुआ। इसके बाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष ऋषभ नाहाटा को शपथ पाठ करवाया, एवं राज चौधरी ने शाखा पदाधिकारियों तथा नरेंद्र सेठिया ने कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ पाठ करवाया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष ऋषभ नाहटा ने अपने संबोधन में ज्यादा से ज्यादा अमृत धारा लगवाने का एवं सामाजिक कार्यक्रम को करने का एक विजन सभी के सामने रखा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिमशिखर खंडेलिया, राष्ट्रीय निदेशक राज चौधरी, प्रांतीय उपाध्यक्ष मितेश सुराणा, शाखा के वरिष्ठ सदस्य नरेंद्र सेठिया ने अपना संबोधन रखा, सभी ने मंच को आगे ले जाने हेतु अपना मार्गदर्शन दिया एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष ऋषभ नाहाटा को आगे के कार्यकाल के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में हाल ही में घोषित 10वीं परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए समाज के छात्र-छात्राओं को शाखा द्वारा सम्मानित किया गया। नव निर्वाचित शाखा मंत्री सुखबीर चौधरी ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन कमल बोथरा ने किया।

मणिपुर पुलिस ने 84 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 84 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 304 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 125 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

पूप्रमास की बंगाईगांव शाखा ने बृहत्तर बंगाईगांव प्रेस क्लब के सदस्यों को किया सम्मानित

बंगाईगांव। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की बंगाईगांव शाखा द्वारा सोमवार को बृहत्तर बंगाईगांव प्रेस क्लब के सदस्यों को सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम मंच संचालन करते हुए शाखा के सह सचिव महेश कुमार अग्रवाल ने सभी सदस्यों का सम्मान समारोह में स्वागत किया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य की व्याख्या की। उसके बाद मारवाड़ी शाखा बंगाईगांव के अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका एवं सचिव अजित सिंह भंसाली तथा बृहत्तर बंगाईगांव प्रेस क्लब के अध्यक्ष रंजीत कुमार शर्मा एवं सचिव प्रशांत राय को मंचासीन कराया गया। उसके बाद बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका ने मारवाड़ी सम्मेलन के ऊपर विस्तृत जानकारी प्रेस क्लब के सदस्यों के सामने प्रस्तुत की। उन्होंने समाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों के ऊपर भी प्रकाश डाला। आपसी समन्वय की सुंदर मिसाल पेश करते हुए बृहत्तर बंगाईगांव प्रेस क्लब की ओर से मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका एवं सचिव

अजीत सिंह भंसाली का फुलोम गमछा से सम्मान किया गया। जिसके लिए शाखा सदस्यों ने प्रेस क्लब की इस पहल के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। इसके पश्चात प्रेस क्लब के अध्यक्ष रंजीत कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में मारवाड़ी सम्मेलन को ऐसा कार्य करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रेस क्लब के सचिव प्रशांत राय एवं सदस्य धीराज चक्रवर्ती ने भी समारोह को संबोधित किया एवं मारवाड़ी समाज द्वारा किए जा रहे कार्यों के प्रशंसा की। इसके बाद मारवाड़ी सम्मेलन बंगाईगांव शाखा द्वारा बृहत्तर बंगाईगांव प्रेस क्लब के उपस्थित सभी उन्नीस सदस्यों का फूलाम गमछा से स्वागत किया गया। इस सम्मान समारोह के लिए प्रेस क्लब के सभी सदस्यों ने मारवाड़ी समाज की सराहना की। प्रेस क्लब के अध्यक्ष रंजीत कुमार शर्मा एवं शाखा अध्यक्ष राजेंद्रहरलालका के बीच साझे तौर पर भविष्य में सामाजिक कार्य करने के ऊपर भी चर्चा हुई। इस मौके पर सम्मेलन की तरफ से मंडल ज के प्रांतीय उपाध्यक्ष सरजीत सिंह भारी के अलावा किशोर जैन, मनोज सरावगी, गोपाल हरलालका, राम अवतार पारीक, धर्मू लूनिया, विनीत सुरेखा आदि सदस्य उपस्थित थे। मारवाड़ी सम्मेलन बंगाईगांव शाखा की ओर से महेश कुमार अग्रवाल ने प्रेस क्लब के सभी सदस्यों को सुंदर व्यवस्था के साथ आयोजन का सफल करने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। अल्पाहार के साथ सम्मान समारोह का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

गल्लापट्टी हनुमान मंदिर का दो दिवसीय कार्यक्रम शुरू

गुवाहाटी। फैंसी बाजार के टीआर फूकन रोड स्थित गल्लापट्टी श्री हनुमान मंदिर में दो दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ आज से शुरू हुआ। श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के स्वर्ण जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में इस बार विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य आयोजन श्री हनुमान जन्मोत्सव ट्रस्ट के ट्रस्टी इनचार्ज अशोक धानुका के कुशल मार्गदर्शन में किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि स्वर्ण जयंती महोत्सव के मौके पर सन 1973 से 2023 के बीच पदों पर रह चुके मार्गदर्शकों का अभिनंदन किया जाएगा। इस सम्मान समारोह का आयोजन सोमवार की शाम 4 बजे से किया जाएगा। वहीं कार्यकारी अध्यक्ष सुनिल अजितसरिया ने कहा कि इस बार की शोभायात्रा भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र होगी। विशेष रूप से नवनिर्मित रथ पर बजरंगबली को विराजमान किया जाएगा। वहीं जेल रोड में शर्मा स्वीट के सामने जीवंत झांकियों के दुर्लभ दर्शन किए जा सकते हैं। उपाध्यक्ष दीपक मित्तल ने बताया कि 23 अप्रैल को आयोजित होने वाली विराट शोभायात्रा में महिलाओं द्वारा निशान यात्रा भी निकाली जाएगी। इसके अलावा इस बार मुंबई के प्रख्यात बैंड को आमंत्रित किया गया है, जो शोभायात्रा में अपने जलवे विखेरेंगे। वहीं दूसरी ओर दिल्ली के मशहूर कलाकार छेदीलाल एंड पार्टी की ओर से शोभायात्रा में अभूतपूर्व झांकियां प्रस्तुत की जाएगी। सचिव विकास अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन सोमवार को प्रात: 6 बजे से अखंड रामायण पाठ तथा सायं 6.30 बजे से भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें कोलकाता से दिनेश पारीक व बीकानेर से प्रवेश शर्मा अपने अपने भजनों के पुष्प दरबार में अर्पित करेंगे। वरिष्ठ सदस्य गौतम शर्मा ने बताया कि महोत्सव को दूसरे दिन 23 अप्रैल को प्रात: 11 बजे महाआरती के पश्चात दोपहर 2 बजे से नाम कीर्तन तथा 5 बजे से विराट शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होकर निकलेगी। वहीं सायं 6.30 बजे से संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन रतनगढ़ से आमंत्रित कृष्णा नंद व प्रदीप पारुल द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। कोषाध्यक्ष संजय सुरेका ने कहां कि इस दौरान श्री सिंदुरी बालाजी मनमोहक नृत्य प्रस्तुत की जाएगी। रात 9.15 बजे से दिल्ली से आए कलाकारों द्वारा भावविभोर नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति होगी। समिति के प्रचार मंत्री विवेक सांगानेरिया ने बताया कि दो दिवसीय स्वर्ण जयंती महोत्सव को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्य जुटे हुए हैं। समिति की ओर से सभी समाज बंधुओं एवं धर्मपरायण लोगों से दो दिवसीय स्वर्ण जयंती महोत्सव में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया गया है।

संपादकीय

मोटे मुनाफे के लिये सेहत से खिलवाड़

हाल के दिनों में देश में आई जागरूकता के चलते कई ऐसे खुलासे हुए हैं, जिसमें बहुराष्ट्रीय खाद्य उत्पादों के हथकंडों का पता चला है। जिन खाद्य उत्पादों को दशकों से बच्चों की सेहत का राज बताया जा रहा था, परीक्षणों में पाया गया कि तेज मीठे की लत डालकर बच्चों को स्थायी ग्राहक बनाया जा रहा था। जांच के बाद सरकार ने बॉर्नविटा को सेहतवर्धक बताने वाले प्रचार को रोकने के लिये कहा था। अब इस कड़ी में बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले ने सफाई दी है कि उसके शिशु आहार उत्पादों में चीनी की मात्रा घटाई गयी है। यानी इससे पहले बच्चों को इस उत्पाद की आदत डालने के लिये भारत में इसमें अधिक चीनी की मात्रा मिलायी जा रही है। दरअसल, हाल ही में एक स्विस स्वयं सेवी संगठन 'पब्लिक आई' और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के निष्कर्षों से खुलासा हुआ कि नेस्ले कंपनी ने यूरोप के अपने बाजारों की तुलना में भारत तथा अन्य विकासशील देशों, अफ्रीका व लैटिन अमेरिकी देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे। नेस्ले इंडिया का दावा है कि उसने अब अपने उत्पादों में तीस फीसदी तक चीनी की कटौती की है। उल्लेखनीय है कि यह कंपनी नेस्कैफे, सेरेलैक व मैगी जैसे चर्चित उत्पादों का कारोबार करती है। इस बहुराष्ट्रीय कंपनी का रवैया कितना भेदभावपूर्ण व दुराग्रह से भरा हुआ है कि छह महीने के बच्चों को दिया जाने वाला नेस्ले का गेहूं पर आधारित उत्पाद सेरेलैक ब्रिटेन तथा जर्मनी में बिना किसी अतिरिक्त चीनी के बेचा जाता है। लेकिन भारत में सेरेलैक के 15 उत्पादों के अध्ययन के बाद खुलासा हुआ है कि एक बार के खाने में औसतन 2.7 ग्राम चीनी थी। अन्य विकासशील देश फिलीपीन्स में चीनी की मात्रा 7.3 ग्राम पाई गई। ऐसा शिशुओं को इसकी लत लगाने और लागत घटाने के मकसद से किया गया। जो निश्चित रूप से शिशुओं के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिससे कई तरह के रोगों का भी जन्म होता है। यह विडंबना ही है कि उपनिवेशवाद के चलते पूरी दुनिया का शोषण करने वाले यूरोपीय व पश्चिमी देश लोकतांत्रिक स्वरूप वाले विश्व में भी व्यापारिक हथकंडों के जरिये विकासशील देशों का दोहन कर रहे हैं। दरअसल, खाद्य पदार्थों व शीतल पेयों में अधिक चीनी व नमक के जरिये युवाओं को भी इन उत्पादों की लत लगाई जाती है। इससे उन्हें एक अलग से खुशी का अहसास होता है। जिससे कालांतर गैर संक्रमणीय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

खाद्य उत्पादों को दशकों से बच्चों की सेहत का राज बताया जा रहा था, परीक्षणों में पाया गया कि तेज मीठे की लत डालकर बच्चों को स्थायी ग्राहक बनाया जा रहा था। जांच के बाद सरकार ने बॉर्नविटा को सेहतवर्धक बताने वाले प्रचार को रोकने के लिये कहा था। अब इस कड़ी में बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले ने सफाई दी है कि उसके शिशु आहार उत्पादों में चीनी की मात्रा घटाई गयी है। यानी इससे पहले बच्चों को इस उत्पाद की आदत डालने के लिये भारत में इसमें अधिक चीनी की मात्रा मिलायी जा रही है। दरअसल, हाल ही में एक स्विस स्वयं सेवी संगठन 'पब्लिक आई' और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के निष्कर्षों से खुलासा हुआ कि नेस्ले कंपनी ने यूरोप के अपने बाजारों की तुलना में भारत तथा अन्य विकासशील देशों, अफ्रीका व लैटिन अमेरिकी देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे। नेस्ले इंडिया का दावा है कि उसने अब अपने उत्पादों में तीस फीसदी तक चीनी की कटौती की है। उल्लेखनीय है कि यह कंपनी नेस्कैफे, सेरेलैक व मैगी जैसे चर्चित उत्पादों का कारोबार करती है। इस बहुराष्ट्रीय कंपनी का रवैया कितना भेदभावपूर्ण व दुराग्रह से भरा हुआ है कि छह महीने के बच्चों को दिया जाने वाला नेस्ले का गेहूं पर आधारित उत्पाद सेरेलैक ब्रिटेन तथा जर्मनी में बिना किसी अतिरिक्त चीनी के बेचा जाता है।

इस अस्वस्थ खाना-पान से कई रोग उत्पन्न होते हैं। इन स्वास्थ्य समस्याओं में वजन बढ़ना, मोटापा और कालांतर मधुमेह जैसे रोग हो सकते हैं। इसी तरह शीतल पेय, डिब्बा बंद जूस तथाकथित एनर्जी ड्रिंक्स तथा बिस्कुट में चीनी की मात्रा काफी अधिक होती है। इन उत्पादों की गिनती अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के रूप में होती है। हाल के दिनों में एक ब्रिटिश जनरल में खुलासा हुआ कि ऐसे खाद्य पदार्थों से उम्र पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। भारतीय चिकित्सक खुलासा कर रहे हैं कि यदि आपकी डाइट में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की मात्रा दस प्रतिशत से ज्यादा होती है तो व्यक्ति के शरीर में कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग व अवसाद जैसे रोग उत्पन्न हो सकते हैं। भारत में हाल के दिनों में इन रोगों से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से विस्तार हुआ है। इस संकट का समाधान तभी हो सकता है जब हम देश में उपभोक्ताओं को जागरूक करें। साथ ही हर उत्पाद में इस बात का उल्लेख होना चाहिए कि किसी खाद्य या पेय पदार्थ में कितनी मात्रा में नमक या चीनी का उपयोग किया गया है। यदि कम शर्करा वाली वस्तु है तो स्पष्ट होना चाहिए कि यह मात्रा कितना रखी गई है। दरअसल, इन उत्पादों में चीनी-नमक की मात्रा की निगरानी वाले तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत है। साथ ही देश में ऐसे प्रयोगशालाओं की स्थापना हर राज्य में की जाए जो लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले उत्पादों की जांच-पड़ताल कर सके। साथ ही दोषी पाये जाने वाली कंपनियों पर कठोर कार्रवाई की भी व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही भ्रामक विज्ञापन करने वाले लोगों पर भी कार्रवाई हो।

सिविल अधिकारियों की जिम्मेदारी और कठिनाई पर चर्चा जरूरी

हृदयनारायण दीक्षित

वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक प्रशासन का मुख्य लक्ष्य लोकहित ही रहा है। उनकी योग्यता और प्रतिभा बेजोड़ रही है। लेकिन तमाम ज्ञान गरिमा से युक्त होने के बावजूद वे भारतीय जनमानस के आत्मीय हित साधक नहीं बन सकते। प्रशासन और भारतीय जनता के मध्य दूरी है। प्रशासन एक तरह से स्थाई कार्यपालिका है। इसके कामकाज में आमजनों के साथ सम्पर्कों में संवेदनशीलता का अभाव देखा गया है। संविधान सभा में अनेक सदस्यों ने अंग्रेजीराज के सिविल ढांचे को समाप्त करने की मांग की थी। सरदार पटेल ने कहा था, "हमने इनके साथ कठिन समय में काम किया है। मेरे ख्याल से इन्हें बनाए रखना जरूरी है।"

भारतीय प्रशासनिक सेवा ने बड़ा लम्बा सफर तय किया है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक प्रशासन का मुख्य लक्ष्य लोकहित ही रहा है। उनकी योग्यता और प्रतिभा बेजोड़ रही है। लेकिन तमाम ज्ञान गरिमा से युक्त होने के बावजूद वे भारतीय जनमानस के आत्मीय हित साधक नहीं बन सकते। प्रशासन और भारतीय जनता के मध्य दूरी है। प्रशासन एक तरह से स्थाई कार्यपालिका है। इसके कामकाज में आमजनों के साथ सम्पर्कों में संवेदनशीलता का अभाव देखा गया है। संविधान सभा में अनेक सदस्यों ने अंग्रेजीराज के सिविल ढांचे को समाप्त करने की मांग की थी। सरदार पटेल ने कहा था, "हमने इनके साथ कठिन समय में काम किया है। मेरे ख्याल से इन्हें बनाए रखना जरूरी है।" पटेल ने स्वतंत्र भारत के सिविल अधिकारियों की पहली खेप को 21 अप्रैल को 1947 में सम्बोधित किया था। यह एक महत्वपूर्ण क्षण था। इसीलिए इस तिथि को सिविल सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। तब से 77 वर्ष बीत गए। संवेदनशील प्रशासन राष्ट्रीय अपरिहार्यता है। उत्कृष्ट प्रशासन प्राचीन काल से ही किसी न किसी रूप में समाज के लिए जरूरी रहा है। भारत का वर्तमान प्रशासन प्राचीन काल की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का विकास है। इसका प्राचीनतम स्वरूप ऋग्वैदिक काल में भी मिलता है। ऋग्वेद के समाज की सबसे छोटी इकाई कुटुम्ब या परिवार थी। परिवार का सबसे वरिष्ठ कुटुम्ब का प्रधान संचालक होता था। घर के मुखिया की बात सब लोग मानते थे। अनेक परिवारों से मिलकर बनने वाली राजनीतिक इकाई 'ग्राम' थी। राजनीतिक दृष्टि से ग्राम का प्रमुख ग्रामणी कहलाता था। वह स्वयं ग्राम का प्रशासनिक अधिकारी भी था। अनेक ग्रामों से बनी बड़ी इकाई विश कहलाती थी। विश के प्रशासनिक अधिकारी को विशपति कहते थे। विश से बड़ी इकाई जन होती थी। जन के संचालक प्रशासनिक अधिकारी को गोप कहा जाता था। गोप प्रायः राजा ही होते थे। ऋग्वैदिक समाज में गणतंत्र भी थे। राजा निरंकुश नहीं था। राजा राज्याभिषेक के समय प्रजा के हित में काम करने की शपथ लेता था। राजा को जवाबदेह बनाने वाली दो लोकतांत्रिक संस्थाएं भी थीं। इन्हें सभा और समिति कहा गया। लुडविग ने लिखा है, "समिति जनसाधारण की संस्था थी। सभा वरिष्ठों की संस्था थी।" उस समय के नियम सबको मान्य थे। नियम या विधि को ऋग्वेद में 'धर्मन्' कहा गया है। ग्रिफ्थ ने धर्मन का अनुवाद लॉ या लॉज किया है। ग्राम में न्याय

करने के लिए ग्रामवादिन नाम की न्यायायिक संस्था भी थी। वैदिक काल के बाद सिन्धु घाटी की सभ्यता का समय (2250 ईसापूर्व से 1750 ईसापूर्व तक) आता है। व्हीलर और पिगट के अनुसार मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के राज्य ठीक से संचालित थे। सिन्धु सभ्यता में सड़कें सुनियोजित थी। जल निकासी की व्यवस्था थी। अनुमान किया जाता है यहां नागरिक संस्थाएं थीं। पिगट के अनुसार व्यवस्थित निर्माण कार्य से अनुमान लगता है कि यहां नगर पालिकाएं जैसी संस्थाएं भी रही होंगी। सम्पूर्ण सिन्धु क्षेत्र में प्रशासन व्यवस्थित था। उत्तर वैदिक काल में शक्तिशाली राजाओं का उदय दिखाई पड़ता है। उत्तर वैदिक काल में प्रशासनिक काम करने वालों की संख्या बड़ी है। महाभारत में बड़े राज्यों का उल्लेख है। चन्द्रगुप्त मौर्य के काल में भारत ने पहली बार राजनैतिक एकता हासिल की। यह विशाल साम्राज्य था। चन्द्रगुप्त मौर्य स्वयं में योग्य प्रशासक थे। कौटिल्य का अर्थशास्त्र, मैगस्थनीज की इंडिका, अशोक के शिलालेख व यूनानी साहित्य में मौर्य शासन व्यवस्था की तमाम जानकारी हैं। भारतीय प्रशासन के विकास में मौर्य शासन के अनेक तत्व हैं। भारत परम्परा प्रिय देश है। यहां के समाज में कालवाह्य को छोड़ने और कालसंगत को जोड़ने की क्षमता रही है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक लोक प्रशासन को जनोन्मुखी बनाने के प्रयास चलते रहे हैं। आदर्श राजव्यवस्था के संवेदनशील प्रशासन के विवरण कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मिलते हैं और महाभारत में भी। कौटिल्य संवेदनशील प्रशासन के व्याख्याता हैं। वाल्मीकि की रामायण में श्रीराम की आदर्श राजव्यवस्था के उल्लेख हैं। वाल्मीकि द्वारा लिखी आदर्श राजव्यवस्था काल्पनिक नहीं है। तुलसीदास ने आज से 450 वर्ष पहले रामचरितमानस लिखी थी। रामचरितमानस में भी आदर्श राजव्यवस्था की खूबसूरत झांकी है। राम राज्य कल्पना नहीं है। आदर्श राजव्यवस्था के सूत्र ऋग्वेद से लेकर आधुनिक काल तक एक जैसे हैं। अंग्रेजी सत्ता के समय भारत को साम्राज्यवाद का शोषण क्षेत्र बनाने की कोशिशें की गईं। अंग्रेजी सत्ता का उद्देश्य भारत की जनता को सुन्दर प्रशासन देना नहीं था। वे यहां से कच्चा माल इंग्लैंड ले जाते थे। उसके उपयोग से अंग्रेजी ब्रांड की वस्तुएं बनाते थे। यहाँ से कपास इंग्लैंड जाता था। वहां से 'मेड इन इंग्लैंड' के कपड़े बनकर आते थे। भारतीय व्यापारी और किसान कर्ज में डूब गए थे। अंग्रेजों का प्रशासन संवेदनहीन था। ईसाई मिशनरी अंग्रेजी सत्ता के दुरुपयोग से धर्मांतरण कराते थे। लेकिन भारतीय संस्कृति और दर्शन का डंका चारों ओर पिट रहा था। भारतीय प्रशासन के लिए इंग्लैंड से सिविल अधिकारी आते थे। मैक्समूलर भारतीय दर्शन और संस्कृति के व्याख्याता थे। उन्होंने भारत आने वाले सिविल अधिकारियों को पढ़ाया था कि दुनिया का सर्वश्रेष्ठ मस्तिष्क भारतवासियों का है। संस्कृत दुनिया की आदर्श भाषा है। भारतीय दर्शन विज्ञान को ध्यान से समझ कर स्वयं का निजी जीवन और समाज को श्रेष्ठ बनाया जा सकता है। यह बातें भारत का कोई व्यक्ति नहीं कह रहा था। जर्मनी के विद्वान मैक्समूलर भारत जाने वाले सिविल अधिकारियों को भारत को समझने की प्रेरणा दे रहे थे। उनका सारा भाषण 'व्हाट इंडिया कैन टीच अस' के नाम से संकलित है। अंग्रेजी प्रशासकों को भारत समझना जरूरी था। मोटे तौर पर अंग्रेजी शासन और वैधानिक व्यवस्था की वास्तविक शुरुआत भारत शासन अधिनियम 1935 से होती है। संविधान निर्माताओं ने भारतीय प्रशासन के गठन में 1935 के अधिनियम की बातें लगभग यथावत रखी हैं। राजनैतिक कार्यपालिका विधायी सदनों के प्रति जवाबदेह है। मंत्रीगणों को सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर तैयार कराने में प्रशासन की मुख्य भूमिका होती है। प्रश्नोत्तरों की तैयारी में हुई त्रुटि का खामियाजा सदन में मंत्री को भुगतना पड़ता है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य भी उत्साहवर्द्धक सम्बंध नहीं दिखाई पड़ते। बहुधा विधायकों और सांसदों से प्रशासनिक अधिकारियों के बीच अप्रिय कलह की खबरें आती रहती हैं। टेलीफोन न उठाने और जनप्रतिनिधियों के पत्रों के उत्तर न देने की शिकायतें पुरानी हैं। विधायी सदनों की समितियों में प्रशासनिक अधिकारियों को सम्बंधित विषय पर साक्ष्य के लिए आमंत्रित किया जाता है।

दृष्टि कोण

चुनावों में धर्म और जाति का उपयोग गलत परंपरा

अभी हाल ही मे चल रहे लोकसभा चुनावो के समय गुजरात के एक वरिष्ठ नेता पुरुषोत्तम रुपाला ने ब्रिटिश काल मे राजपूतो की नीति और स्थिति के बारे में एक विवादित बयान दे दिया, जिसके कारण उन्हे देश के क्षत्रिय समाज का विरोध झेलना पड़ रहा है, हो सकता है कि उन परिस्थितियों मे मजबूरी के कारण वुछ क्षत्रियों को ऐसा करना पड़ा हो पर पूरे क्षत्रिय समाज के लिए ऐसी धारणा बनाना सरासर गलत था। यहाँ तक इतिहास जानता है कि मुगलो और उसके पूर्व के अव्रांताओ के विरुद्ध मेवाड के राजपुतानो ने जिस साहस का परिचय दिया वह हिदुत्व की रक्षा के लिए ऐतिहासिक त्याग व बलिदान माना जायेगा, 7वी सदी मे बप्पा रावल से लेकर 17वी सदी तक महाराणा प्रताप और उनके बेटे अमर सिह तक यह संघर्ष कायम रहा। यही नही मेवाड के पर्वतीय वन प्रदेशों में बसने वाले भील, जो धनुष विद्दा मे प्रवीण और अचुक निशाने बाज होते थे तथा पहाड़ों और जंगलो के बीहड़ रास्तो के जानकर होते थे, ने मुस्लिम आामण कारियो के विरुद्ध लडाईं में अपने राजपूत राजाओं के साथ संघर्ष किया और बलिदान दिया और संक्षिप्त रूप मे यह कहा जा सकता है कि अपनी सनातनी संस्वृति की रक्षा के लिए सभी हिदुओ ने राजपूत राजाओं के नेतृत्व मे वंधे से वंधा मिलाकर संघर्ष किया। यही कारण है कि लगातार 9 सदियो तक मुस्लिम आांताओ के अत्याचार और लूटमार के बावजूद हिदू सनातनी संस्वृति विनष्ट होने से बची रही। पर वर्तमान समय में क्षत्रिय परिवारों मे जन्म लेने वाले वुछ युवा जिन्हे राजपूताना संघर्ष के बारे मे वुछ नही पता वे राजपूताना संघर्ष को सभी हिदुओ का संघर्ष मानने के बजाय सिर्प क्षत्रियों का संघर्ष मानते है और निम्न जातियों में पैदा होने वालो को सनातनी संघर्ष का हिस्सा नही मानते और कभी कभी तो शुद्रो और भीलो को हिदू धर्म का हिस्सा नही मानते और अपने वर्ग को अन्य जातियों से श्रेष्ठ समझते है और उनकी यही सोच हिदू समाज और सनातनी संस्वृति को तार तार कर रही है। उन लोगो को यही बड़बोलापन राष्ट्रवाद और हिदुत्व मे आस्था रखने वाले रुपाला जैसे नेता को भी स्वाभिमानी राजपूत समाज के लिए अवांछित टिप्पड़ी करने के लिए उकसाया, जिसका परिणाम यह है कि पूरे राजपूत समाज द्वारा जगह जगह पर रुपाला का विरोध हो रहा है और जो राजपूत समाज भाजपा का वैडर वोट माना जाता रहा है वह अपनी ही पाटा के विरोध मे खड़ा हो गया है। इसी कड़ी मे उप के वरिष्ठ सपा नेता जो तीन बार सांसद रह चुके है और वर्तमान मे विधायक तूफानी सरोज ने यह कह कर विवाद पैदा कर दिया कि हमारी जीत मे सवर्ण ब्राrाण ठावुरो का कोई योगदान नही है अब यह प्रश्न उठता है कि भारत जैसे लोकतंत्र मे चुनाव के दौरान धर्म और जाति का उपयोग कितना जायज है जबकि चुनाव जाति व धर्म के बजाय शिक्षा, स्वास्थ, रोजगार और आर्थिक विकास के मुद्दों पर लड़े जाने चाहिए परंतु इस समय चुनाव पूर्ण रूप से धर्म और जाति के आधार पर लड़े और जीते जाते है। सनातन संस्वृति वाले इस देश मे मे भगवान राम त्रेता युग से पूजे जाते रहे है और लगभग 9 शताब्दियों तक देश बाहरी मुस्लिम अव्रांताओ के कब्जे मे रहा फिर भी देश मे न सनातन खत्म हुआ और न ही और न ही लोगो के मन मे भगवान राम के प्रति श्रद्धा ही कम हुईं और युगो से लोगो के दिल मे भगवान राम का वास रहता है पर वुछ स्वयंभू सनातन के ठेकेदार अयोध्या मे भगवान राम की जन्म भूमि पर बन रहे भव्य मन्दिर के निर्माण का श्रेय स्वयम लेने का प्रयास कर रहे है और इसके लिए हमारे साधु संतो और महान नेताओ की वुर्बानियों को नजर अंदाज कर रहे है और चुनावी फायदे के लिए भगवान राम का उपयोग कर रहे है जो अनैतिक भी है और सनातनी मांयताओ के विरुद्ध भी है। धर्म को चुनाव मे इस्तेमाल करने के मामले मे 1995 मे सर्वोच्च न्यायालय की बेंच जिसकी अध्यक्षता जस्टिस जी एस वर्मा कर रहे थे ने निर्णय दिया कि हिदुत्व धर्म नही है अपितु यह जीवन शैली है और यह कहा हिदुत्व को एक धर्म तक सीमित नही रखा जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय की इस गहन व्याख्या ने यह तो स्थापित कर दिया कि हिदुत्व भारत मे जीवन के सांस्वृतिक, सामाजिक और राजनीतिक पहलुओ को शामिल करता है पर उन्होंने कही भी चुनाव मे धर्म के इस्तेमाल को जायज नही ठहराया, नतीजन हिदू और हिदुत्व के उपयोग को भले ही असंवैधानिक न करार दिया जाए पर चुनाव मे इसका उपयोग अनैतिक है और सनातनी मांयताओ के खिलाफ है। यह पैसला दूसरी ओर धरमिक अपिलो और सामाजिक व सांस्वृतिक मांयताओ से जुड़ी अभिव्यत्ति के बीच अंतर को स्पष्ट कर दिया था और चुनावी प्रव्रिया की अखंडता बनाये रखने के लिए जाति और धर्म से संबंधित संवेदन शील मुद्दों को संबोधित करते समय राजनेताओ को सावधानी बरतनी चाहिए। शीर्ष अदालत का यह पैसला अभिवयत्ति की स्वतंत्रता और चुनाव के दौरान भ्रष्ट आचरण को रोकने के लिए आवश्यकताओ के बीच नाजुक संतुलन को दर्शाता है।

कुछ अलग

पर्यावरण बचाइए जीडीपी बढ़ाइए

उत्तराखंड के जंगलों में भीषण आग लगी हुईं है। भारत समेत सम्पूर्ण धरती का तापमान बढ़ रहा है। अगले वर्षो में इस प्रकार की आपदाएं बढ़ेंगी। इन विध्वंसक प्रावृतिक घटनाओं के कारण पर्यटन और निवेश दोनों में गिरावट आती है। घरेलू निवेशक उन स्थानों को रहने के लिए चुनते हैं जहां उनको स्वच्छ पर्यावरण, साफ पानी और साफ हवा मिले। इसलिए अपने देश से तमाम अमीर लोग अपनी पूंजी लेकर विदेशों में जाकर बस रहे हैं। यहां निवेश कम हो रहा है और हमारा जीडीपी पिछले 6 वर्षो में लगातार गिर रहा है। लेकिन सरकार पर्यावरण और निवेश दोनों की चिता न करते हुए बड़ी योजनाओं को त्वरित स्वीवृतियां देने का प्रयास कर रही है और इन स्वीवृतियों को देने में पर्यावरण की अनदेखी कर रही है। सरकार समझ रही है कि बड़ी योजनाएं लगेंगी तो आर्थिक विकास चल निकलेगा। लेकिन बड़ी योजनाओं द्वारा स्वयं निवेश के बावजूद उनके द्वारा की जाने वाली पर्यावरण की हानी से वुल निवेश घाट रहा है। जैसे सरकार ने थर्मल पावर प्लांट द्वारा जहरीली गैसों के उत्सर्जन के मानकों को ढीला कर दिया है। इससे देश में बिजली का उत्पादन तो सस्ता हो जाएगा लेकिन साथ-साथ हवा प्रदूषित होगी। बिजली सस्ती होने से उद्दोग लग सकते हैं; लेकिन प्रदूषण के विस्तार के कारण अमीर लोग यहां से बाहर जाने को मजबूर होंगे। इन दोनों विपरीत प्रभाव में अमीरों का बाहर जाना ज्यादा प्रभावी ही। इसलिए विकास दर घाट रही है। किसी बड़ी इकाईं को लगाने के लिए पर्यावरण मंत्रालय से पर्यावरण स्वीवृति लेना होता है। इस स्वीवृति को हासिल करने के लिए उद्दामी को पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी पड़ती है। इसके बाद पर्यावरण मंत्रालय की कमेटी निर्णय करती है कि परियोजना को स्वीवृति दी जाए या नहीं। वर्तमान में इन कानूनों में सरकार ने कईं परिवर्तन प्रस्तावित किए हैं। जैसे पर्यावरण प्रभाव आकलन के बाद जनसुनवाईं करने की जरूरत को कईं परियोजनाओं के लिए निरस्त करने का प्रस्ताव है। कईं पुरानी परियोजनाएं बिना पर्यावरण स्वीवृति के चल रही हैं उन्हें पोस्ट पैक्टों यानि चालू होने के बाद भी पर्यावरण स्वीवृति देने की व्यवस्था की जा रही है। सिचाई और नदियों की ड्रेजिग के लिए पर्यावरण स्वीवृति की जरूरत को समाप्त किया जा रहा है। इन सब कदमों के पीछे सरकार का मंतव्य है कि इस प्रकार की परियोजनाएं शीघ्र लागू हों और देश का आर्थिक विकास बढ़े। लेकिन इन परियोजनाओं के पर्यावरण प्रभाव आकलन को ढीला करने से देश का जल और वायु प्रदूषित होगा। अपने देश के अमीर विदेश को चले जाएंगे जैसा कि पिछले छह वर्षो से तेजी से हो रहा है और हमारा जीडीपी बढ़ने के स्थान पर गिरेगा जो पिछले छह वर्षो के रिकॉर्ड से ज्ञात होता है। हमें ध्यान देना चाहिए कि ताजमहल, वाराणसी, समुद्र तटों पर बीच, पहाड़ों पर बर्प इत्यादि उपलब्धियों के बावजूद अपने देश में विदेशी पर्यटकों का आगमन बहुत ही कम संख्या में होता है क्योंकि यहां का सामाजिक और भौतिक पर्यावरण अनुवूल नहीं है। ट्यूनीशिया और मालद्वीप जैसे छोटे छोटे देश हमारे समकक्ष अपनी प्रावृतिक उपलब्धयों से 100 गुना रकम अर्जित कर रहे हैं। इस परिप्रेक्ष में पर्यावरण प्रभाव आकलन को और सख्त बनाना चाहिए। मैं आपके सामने राष्ट्रीय जलमार्ग एक जो कि वाराणसी से हल्दिया तक बनाया जा रहा है का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहूंगा। इस जलमार्ग को बनाने के पीछे आधार यह था कि जलमार्ग से माल की ढुलाईं का खर्च 1.06 रुपए प्रति टन प्रति किलोमीटर लगेगा जबकि रेल से इसका खर्च 1.36 प्रति टन प्रति किलोमीटर लगता है।

देश दुनीया से

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अंवुश जरूरी

व्यवहारिक पक्ष को हम सभी ने कोरोना काल में विशेष तौर पर महसूस किया जब घर बैठे कार्यं करने के लिए वर्चुअल और ऑनलाइन मीटिंग्स, स्वूल की कक्षाओं का संचालन या फिर वर्व प्रॉम होम जैसे विभिन्न माध्यम अस्तित्व में आए। इतना ही नहीं कल तक जो फिल्में और टीवी विश्व भर में मनोरंजन का सबसे लोकप्रिय साधन थे आज इंटरनेट और विभिन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म उनकी जगह ले चुके हैं। जब 2008 में भारत में पहला ओटीटी प्लेटफॉर्म लांच हुआ था तब से लेकर आज जबकि लगभग 40 ओटीटी प्लेटफॉर्म हमारे देश में मौजूद हैं, इसने काफी लंबा सफर तय किया है। केजीएमजी मीडिया एंड एंटरटेनमेंट की2018 की एक रिपोर्ट का कहना था कि भारत का ओटीटी बाजार 2023 तक 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा।

आज के युग में तकनीक जिसे टेक्नोलॉजी कहते हैं वो लगातार और तीव्रता के साथ बदल रही है। इसके व्यवहारिक पक्ष को हम सभी ने कोरोना काल में विशेष तौर पर महसूस किया जब घर बैठे कार्यं करने के लिए वर्चुअल और ऑनलाइन मीटिंग्स, स्वूल की कक्षाओं का संचालन या फिर वर्व प्रॉम होम जैसे विभिन्न माध्यम अस्तित्व में आए। इतना ही नहीं कल तक जो फिल्में और टीवी विश्व भर में मनोरंजन का सबसे लोकप्रिय साधन थे आज इंटरनेट और विभिन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म उनकी जगह ले चुके हैं। जब 2008 में भारत में पहला ओटीटी प्लेटफॉर्म लांच हुआ था तब से लेकर आज जबकि लगभग 40 ओटीटी प्लेटफॉर्म हमारे देश में मौजूद हैं, इसने काफी लंबा सफर तय किया है। केजीएमजी मीडिया एंड एंटरटेनमेंट की2018 की एक रिपोर्ट का कहना था कि भारत का ओटीटी बाजार 2023 तक 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा। लेकिन कोरोना काल में इसने यह लक्ष्य समय से पहले ही प्राप्त कर लिया। दअरसल लॉकडाउन के दौरान सिनेमा और

मल्टीप्लेक्स बंद होने के कारण ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भारत समेत सम्पूर्ण विश्व में हर आयु वर्ग के आकर्षण के साथ-साथ जबरदस्त स्वीकार्यता भी प्राप्त की। लेकिन जहां एक ओर इसने मनोरंजन और इस क्षेत्र में संघर्षरत युवाओं के लिए नए आयाम खोले हैं वहीं कईं विवादों और चिताओं को भी जन्म दिया है। जिस प्रकार हर सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी प्रकार ओटीटी प्लेटफॉर्म के भी सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही पहलू हैं। अगर इसके सकारात्मक पक्ष की बात करें तो फिल्म और सीरियल जगत में वैरियर बनाने की इच्छा रखने वाले हर उम्र के लोगों के लिए इसने बगैर किसी भेदभाव के अनेकों द्वार खोल दिए हैं। आज एक आम चेहरे अथवा साधारण आवाज या फिर बिल्वुल आम शारीरिक बनावट के साथ किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति के लिए यहां असीमित अवसर हैं। जहां फिल्म इंडस्ट्री पर नेपोटिज्म और कास्टिंग काउच के चलते बहुत से प्रतिभावान युवा मायूस हो जाते थे आज इन्हीं ओटीटी प्लेटफॉर्म के दम पर उन्होंने अपनी पहचान बना ली है। वहीं दर्शकों को भी एक फिल्म देखने के लिए टिकट के भारी-भरकम पैसों के अलावा इंटरवल में कोक कॉफी पॉपकार्न जैसी चीजें मल्टीप्लेक्स में कईं महंगे दामों पर खरीदनी पड़ती थीं आज वो लगभग मुफ्त में घर बैठे इन चीजों का आनंद ले रहा है। अगर ओटीटी के नकारात्मक पक्ष की बात करें तो मनोरंजन, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर जिस प्रकार की सामग्री इनके माध्यम से आज परोसी जा रही है वो देश के आमजन से लेकर बुद्धिजीवियों और अब तो सरकार तक के लिए भी चिता का विषय बनती जा रही है। यह विषय इसलिए भी गंभीर हो जाता है क्योंकि भारत सरकार का इन पर कोईं नियंत्रण नहीं है। क्योंकि ये ओटीटी प्लेटफॉर्म देश के वर्तमान कानूनों के दायरे के बाहर हैं। दअरसल फिल्मों के लिए सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन है, टीवी के लिए न्यूज ब्रॉडकास्टिंग स्टैंडर्डस अथॉरिटी है, प्रिंट मीडिया के लिए प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया है लेकिन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नजर रखने के लिए कोईं संस्था नहीं है। और तो और इनको अपनी सामग्री दर्शकों तक पहुंचाने के लिए केबल ऑपरेटर या सैटेलाइट कनेक्शन जैसे किसी माध्यम की आवश्यकता भी नहीं होती। ये दर्शकों तक स्मार्ट फोन, लैपटॉप एवं स्मार्ट टीवी जैसे साधनों से आसानी से पहुंच जाते हैं। आज ओटीटी प्लेफॉर्म ही नहीं आज बल्कि कोईं भी व्यक्ति इंटरनेट पर जो चाहे अपलोड कर सकता है। इसी बात का लाभ इन ओटीटी प्लेटफॉर्म को मिल जाता है। यही कारण है कि फिक्शन या कल्पना या कलात्मक सृजनात्मकता के नाम पर ये प्लेटफॉर्म वुछ भी दिखाने का साहस कर पाते हैं। चाहे हिन्दू धर्म और उसके देवी देवताओं का अपमान हो या फिर ऑनलाइन प्रॉड के तरीके दर्शकों को सिखाना (जामताड़ा) या फिर हत्या और व्राइम करके कानून से बचने के तरीके दिखाना। यही कारण है कि कईं बार मिर्जापुर पाताल लोक या तांडव जैसी सीरीज के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की जाती हैं। लेकिन अगर कोईं स्पष्ट और सख्त कानून मौजूद होता जो इनकी रचनात्मकता, अभिव्यक्ति और सृजनात्मकता को सीमाओं के साथ परिभाषित करता तो लोगों या संस्थाओं को ओटीटी प्लेटफॉर्म के खिलाफ

आप का नजरीया

उदासीनता

उदासीनता शनिवार को पंजाब के दो नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। इनमें दोनों ही कांग्रेस के प्राभावशाली नेता रहे हैं। इनमें एक हैं तजिन्दर बिट्टू जो पंजाब प्रादेश कांग्रेस के महासचिव, पाटा के राष्ट्रीय सचिव रहे हैं और हिमाचल प्रादेश कांग्रेस के सह प्राभारी थे। दूसरी हैं करमजीत कौर जो सांसद संतोख चौधरी की पत्नी हैं। संतोख चौधरी की मौत कांग्रेस नेता राहुल गांधी के न्याय यात्रा के दौरान हुईं थी फिर रिक्त हुईं जालंधर की संसदीय सीट से उपचुनाव में कांग्रेस ने करमजीत कौर को उतारा था। असल में पंजाब में जिस तरह जमीनी नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं, वह निाति रूप से पंजाब कांग्रेस के लिए ही चिन्ता का विषय नहीं हो सकता। इसके लिए कहीं न कहीं पाटा के वेंद्रीय नेतृत्व की उदासीनता भी जिम्मेदार है। कांग्रेस को यह समझ नहीं आ रहा है कि जितने लोग पाटा छोड़कर गए हैं वे पूंके कारतूस नहीं हैं। वे जमीन से जुड़े और अनुभवी तथा ज्यादा दिन राजनीति करने वाले लोग हैं। हैरानी की बात तो यह है कि जिनकी तीन-तीन पीढ़ियां कांग्रेस से जुड़ी थीं उन्होंने तो पाटा छोड़ी ही साथ ही पाटा के दलित और जाट नेताओं के जाने से भी पाटा में बेचैनी का माहौल नहीं दिख रहा है। पंजाब में जनसंख्या की दृष्टि से दलित सर्वाधिक हैं तो प्राभावशाली जाति के रूप में पंजाब में जाट सिख सबसे ज्यादा दबदबा रखते हैं। कांग्रेस को दलित और जाट दोनों ही छोड़ते जा रहे हैं। पहले राज्य में आम आदमी पाटा (आप), अकाली दल और कांग्रेस में ही सिख नेता और कार्यकर्ता होते थे। अब सिख भाजपा में चले गए। मतलब यह कि राज्य में आम आदमी पाटा, अकाली और भाजपा के बीच संघर्ष होने की संभावना बन रही है। भाजपा जानबूझकर रणनीति के तहत कांग्रेस के जाट और दलित आधार को खोखला करने पर तुली है ताकि वह उसके द्वारा खाली स्थान को भाजपा हासिल कर सके। दुर्भाग्य की बात तो यह है कि इस तरह की भगदड़ के बाद भी नवजोत सिह सिद्धू और प्राताप सिह बाजवा के बीच लड़ाईं सड़क पर है। बहरहाल यदि कांग्रेस पाटा जल्दी से नहीं चेती तो पंजाब में यह पाटा चौथे स्थान पर चली जाएगी। राज्य के लिए कांग्रेस का मजबूत होना जरूरी था क्योंकि आप और अकाली दल अतिवादी सिख नेताओं पर निर्भर करते हैं। कांग्रेस में सिख नेता ही अकाली दल को संतुलित करने में सक्षम थे। किन्तु अब जिस तरह कांग्रेस पाटा में सिखों का पलायन और भाजपा में शामिल होने का सिलसिला शुरू हुआ है वह कांग्रेस के लिए पंजाब में खतरे की घंटी है। मामला गंभीर इसलिए भी है क्योंकि पाटा छोड़ने वाले ज्यादातर लोग वे हैं जिनके राहुल गांधी अथवा प्रियंका व सोनिया के साथ अच्छे संबंध थे। कांग्रेस से जनाधार वाले नेताओं के निकलने पर प्रायः प्रावक्ता सफाईं देते हैं कि प्रावर्तन निदेशालय, वेंद्रीय जांच ब्यूरो अथवा इनकम टैक्स के छापों के डर से उनके नेता ने दल बदल लिया। लेकिन ये जो कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी पाटा छोड़ रहे हैं, उन पर तो किसी तरह का कोईं मामला ही नहीं है। लब्बोलुआब यह है कि कांग्रेस के जिन नेताओं को अपने राजनीतिक भविष्य की चिन्ता दिख रही है वे कांग्रेस के भविष्य की चिन्ता नहीं कर रहे हैं क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व उनकी चिन्ता दूर करने के लिए गंभीर ही नहीं है।

मिथुन यादव निर्विरोध चुने गए जिला परिषद अध्यक्ष

भागलपुर (हिंस)। जिला परिषद अध्यक्ष पद के लिए सोमवार को हुए चुनाव में मिथुन यादव निर्विरोध चुने गए। आज जिला परिषद अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें एक ही प्रत्याशी मिथुन यादव ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पर्चा दाखिल किया था। उन्हें निर्विरोध जिला परिषद अध्यक्ष के लिए चुन लिया गया है। चुनाव प्रक्रिया के बाद जिला प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने उन्हें प्रमाण पत्र दिया। मिथुन यादव के समर्थक काफी खुश दिखे और खुशी का इजहार उन लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर और मिठाइयां बांटकर किया। इस मौके पर मिथुन यादव ने कहा कि जिला परिषद अध्यक्ष पद पर मैं निर्विरोध चुना गया हूं। इसका मैं पूर्ण रूपेण कर्तव्य निष्ठा से पालन करूंगा और रुके हुए कार्य जो पहले अध्यक्ष के समय में नहीं हो पाया था। वह सब पूरा करूंगा। जो भी नई योजनाएं होंगी उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य करूंगा।

आपकी मेहनत की कमाई पर कांग्रेस अपना पंजा मारना चाहती है : नरेंद्र मोदी

अलीगढ़ (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर जमकर हमला बोला। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के खतरनाक इरादों से लोगों को आगाह कर रहा हूं। कांग्रेस की नजर आपकी कमाई पर है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि उनकी सरकार आई तो वह सबकी सम्पत्ति की जांच कराएंगे। वह आपकी सम्पत्ति लेकर लोगों में बांट देंगे। यह मैं नहीं कह रहा हूं, यह कांग्रेस का घोषणा पत्र कह रहा है। सरकार के नाम पर कांग्रेस आपकी सम्पत्ति छीन लेगी। यह माओवादी सोच है। यह कम्युनिस्टों की सोच है। आपकी मेहनत की कमाई पर कांग्रेस अपना पंजा मारनी चाहती है। माताओं, बहनों का मंगलसूत्र अब सलामत नहीं रहेगा, यह कांग्रेस कहती है। इन परिवारवादी लोगों ने देश के लोगों को लूटकर अपना बड़ा साम्राज्य बना लिया है। किसी गरीब को उसमें से कुछ नहीं दिया है। उल्टे वे गरीबों से छीनना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली बार जब मैं अलीगढ़ आया था, तब मैंने आप सबसे अनुरोध किया था कि सपा और कांग्रेस के परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की फैक्टरी में ताला लगा दीजिए। आपने ऐसा ताला लगाया कि दोनों शहजादों को इसकी चाबी नहीं मिल रही है। अलीगढ़ की जनता से प्रार्थना करने और आपका आशीर्वाद लेने आया हूं। अच्छे भारत और विकसित भारत की चाबी भी आपके पास ही है। अब देश को गरीबी, भ्रष्टचार, परिवारवादी राजनीति से पूरी तरह से मुक्त कराने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले बार्डर पर आए दिन गोले दगते थे। आतंकी बम फोड़ते थे। अयोध्या और काशी को नहीं छोड़े। हर बड़े शहर में बम धमाका। अब उस सीरियल बम धमाके पर ब्रेक लग गया है। अब मोदी-योगी का कमाल है कि यह सब बंद हो गया है। पहले अलीगढ़ में भी आए दिन कर्फ्यू लगता था। अब ऐसा नहीं है। मोदी ने कहा कि दंगे, हत्या, गैंगवार, फिरौती सपा की पहचान थी। इसी से उनकी राजनीति चलती थी। एक समय था कि बेटियां बाहर निकल नहीं सकती थीं। आज योगी सरकार में कोई गुंडा सिर नहीं उठा सकता है। पहले हज कोटा कम होता था। उसमें भी घूसखोरी चलती थी। ज्यादातर पैसे वाले लोग ही जा पाते थे। हमारी सरकार ने हज का कोटा ही नहीं बढ़ाया बल्कि प्रक्रिया को आसान भी बनाया। पहले अकेली महिलाएं हज करने नहीं जा सकती थीं। हमने उसे भी दुरुस्त किया। आज बहुत सी मुस्लिम माताएं-बहनें हमें आशीर्वाद दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अलीगढ़ के लाखों लोगों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से इलाज की सुविधा मिल रही है। मोदी ने गारंटी दी है कि आपके परिवार के 70 साल से अधिक उम्र के लोगों की चिंता यह बेटा (मोदी) करेगा। मोदी ने कहा कि गरीब को घर मिला, राशन मिला, इलाज मिला। यह सब आपके एक वोट ने किया। इस अच्छे कार्य का पुण्य आपको भी मिल रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार की तमाम योजनाओं का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अलीगढ़ से सतीश गौतम और हाथरस से अनूप बाल्मीकि को जिताने की अपील की। मोदी ने कहा कि आप यह वोट भले ही यहां सतीश गौतम या अनूप बाल्मीकि को देंगे, लेकिन जब कमल का बटन दबाएंगे तो यह वोट सीधे मोदी को मिल जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्षों के कार्यकाल के बाद जनता जनार्दन का जिस प्रकार आशीर्वाद मिल रहा है उससे स्पष्ट है कि पहले चरण की यूपी की सभी आठ सीटों पर भाजपा का कमल खिलने जा रहा है। विपक्ष का खाता नहीं खुलेगा। हम सबके लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर 2024 का लोकसभा चुनाव है।

अनाधिकृत निजी अस्पतालों पर कसेगा शिकंजा

जयपुर (हिंस)। चिकित्सा विभाग प्रदेश में अनाधिकृत रूप से संचालित निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए ऑपरेशन ब्लैक थंडर चलाएगा। इसके लिए संभाग स्तर पर समस्त संयुक्त निदेशक, जोन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही, जिला स्तर पर इस ऑपरेशन के लिए कमेटी गठित की जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य शुभ्रा सिंह ने बताया कि विभाग को प्रदेश में ऐसे अनाधिकृत निजी अस्पताल संचालित होने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें एक भी एलोपैथिक चिकित्सक नहीं है और मनमाने ढंग से इनका संचालन कर आमजन के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। चिकित्सा विभाग ऐसे अस्पतालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई अमल में लाएगा। इसके लिए प्रदेशभर में ऑपरेशन ब्लैक थंडर चलाया जाएगा। सिंह ने बताया कि इस ऑपरेशन के लिए संभाग स्तर पर समस्त संयुक्त निदेशक जोन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। साथ ही, अनाधिकृत रूप से संचालित ऐसे अस्पतालों के निरीक्षण के लिए जिला स्तर पर कमेटियों का गठन किया जा रहा है। इस कमेटी में संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला औषधि अधिकारी शामिल होंगे। जनस्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि यह कमेटी संबंधित जिले में अनाधिकृत रूप से संचालित निजी अस्पतालों का निरीक्षण करेगी। अगर कोई अस्पताल बिना एलोपैथिक चिकित्सक के चलते पाया जाता है या वहां अन्य नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो उनके विरुद्ध आईपीसी एवं आईएमए की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कमेटी हर माह इस संबंध में संबंधित संयुक्त निदेशक को रिपोर्ट भेजेगी। संयुक्त निदेशक जोन हर माह की 5 तारीख तक यह सूचना चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय को भिजवाएंगे।

अपने परिवार को आगे बढ़ाने में लगे हैं लोग, हमने परिवार को नहीं बढ़ाया : नीतिश

भागलपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को भागलपुर के गोराडीह प्रखंड स्थित मुक्तापुर उच्च विद्यालय के प्रांगण में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए लालू परिवार का नाम लिए बिना कहा कि हमारी मूर्खता से वह आ गया था। उसमें हमारा भी सहयोग था। फिर वह गड़बड़ करने लगा। हमें भी लगा कि गड़बड़ करता है। लालू यादव को जब सात साल के बाद पद छोड़ना पड़ा तो अपने पत्नी को भी मुख्यमंत्री बना दिया। सीएम नीतीश ने कहा कि पति-पत्नी दोनों बन गए। उसके बाद बेटा, बेटी, बाल बच्चा यही सबके फेरा में लगा रहता है। जदयू ऐसी पार्टी है इसके लोग इधर-उधर नहीं करते हैं। अपने परिवार के लिए कुछ नहीं करते हैं। मैं इतने दिनों से पार्टी में हूं। अपने परिवार को कभी आगे नहीं बढ़ाया। अपने परिवार के लिए नहीं कुछ किया। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की तरक्की की बात करते हुए कहा कि जब हम केंद्र में मंत्री थे। तो महिलाओं की उत्थान के लिए कमेटी बनाया गया था। उसे राष्ट्रीय नियम में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण की बात

हुई थी। हम उसमें सदस्य थे। नीतीश कुमार ने कहा कि जब पहली बार 2005 में हमारी सरकार बनी तो मुखिया के चुनाव में हमने महिलाओं को आरक्षण दिया। फिर नगर निकाय में भी आरक्षण दिया। अब नौकरी में महिलाओं को 50 प्रतिशत तक आरक्षण है। हमने बेटियों के लिए साइकिल योजना, पोशाक योजना चलाई। बेटियां अब स्कूल जाने लगी है। स्कूल बनवा दिए हर तरफ महिलाएं आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेपी आंदोलन में हम जेल गए थे। हमारे समय में इंजीनियरिंग में नौकरी नहीं मिलती थी। इसलिए हमने इंजीनियरिंग के छात्रों को साथ लेकर आंदोलन किया और हम जेल गए थे। तब हम भागलपुर जेल में बंद थे। जब मुख्यमंत्री बन गए तो भागलपुर आते जाते रहे। जन्मभूमि से और भागलपुर से हमारा गहरा रिश्ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 से पहले शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था। क्या हालत थी आप लोग जानते हैं। बिहार की अब हर तरफ तरक्की है। पहले हिंदू मुस्लिम का कितना झगड़ा होता था। अब किसी प्रकार का झगड़ा नहीं होता है। हमने 8 हजार कब्रिस्तान की घेराबंदी करवा दी है और एक हजार कब्रिस्तान को चिन्हित किया गया है। उसकी भी घेराबंदी जल्दी ही कर दी जाएगी। पहले स्वयं सहायता समूह नहीं था। हमने स्वयं सहायता समूह बनाकर जीविका बनाई। अब बिहार में 10 लाख से ऊपर जीविका कार्य कर रही हैं। यह जीविका देश भर में आजीविका कहलाएगी। मुख्यमंत्री ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए भागलपुर से जदयू राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन उम्मीदवार अजय मंडल को भारी मत देकर जिताने के लिए लोगों से वोट मांगे। इस मौके पर राजीव कांत मिश्रा, राज्यसभा सांसद संजय झा, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, मंत्री विजय चौधरी, कहकशां परवीन, शाह फकरे आलम हसन ने सभा को संबोधित किया। जनसभा में अधिकांश महिलाओं के साथ लगभग 3000 से अधिक पुरुष नौजवान पहुंचे थे।

आतंकवाद, नक्सलवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार कांग्रेस की देन : महापौर

प्रयागराज (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी इलाहाबाद लोकसभा शहर दक्षिणी विधानसभा कार्यालय का उद्घाटन साउथ मलाका हीवेट रोड पर मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी एवं महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने किया। महापौर ने कहा कि देश के अंदर फैला हुआ आतंकवाद, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार एवं परिवारवाद कांग्रेस की देन है जो लोकतंत्र और राष्ट्र को दीमक की तरह खोखला कर रहे हैं। सोमवार को कार्यालय का उद्घाटन करने के उपरान्त महापौर ने कहा कि ऐसी ताकतों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा के चुनाव में निर्णायक लड़ाई लड़ने जा रही है और भाजपा के कार्यकर्ता उन्हें बूथों पर धराशाई करके राष्ट्रवाद का कमल खिलाएंगे। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि कार्यालय भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए राष्ट्र का मंदिर है, जहां राष्ट्र निर्माण के कार्य किए जाते हैं। इस अवसर पर इलाहाबाद लोकसभा के प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी की पत्नी एवं प्रदेश महिला मोर्चा मंत्री कविता यादव त्रिपाठी ने कहा कि यह चुनाव सिर्फ नीरज त्रिपाठी नहीं बल्कि भाजपा के विचार और पार्टी के कार्यकर्ता लड़

रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडेय, शहर दक्षिणी विधानसभा चुनाव प्रभारी सुरेश मौर्य, रामजी केसरवानी, मुरारी लाल अग्रवाल, नवरत्न कत्याल ने भी अपने विचार रखे। बैठक का संचालन दक्षिणी विधानसभा संयोजक ज्ञानेश्वर शुक्ला एवं समापन पूर्व पार्षद प्रभा शंकर मिश्रा गिरि बाबा ने किया।

अखिलेश को अपने लड़ने के लिए कोई सीट नहीं मिल रही : मोहसिन रजा

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश हज कमेटी के अध्यक्ष व भाजपा नेता मोहसिन रजा ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कन्नौज लोकसभा सीट से परिवार के सदस्य को टिकट देने पर अखिलेश यादव को घेरा है। मोहसिन रजा ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि अखिलेश को अपने लड़ने के लिए कोई सीट नहीं मिल पा रही। कन्नौज लोकसभा सीट पर भी परिवार के सदस्य को अखिलेश ने टिकट दे दिया। मोहसिन रजा ने कहा कि पीडीए का राग अलापने वाली समाजवादी पार्टी की सूची आयी तो उससे साफ

हो गया कि अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में अपनी हार स्वीकार ली है। जाहिर सी बात है, अखिलेश यादव इतनी बड़ी पार्टी के मुखिया हैं और ऐसे में उन्हें अपनी नाक बचानी है। साथ ही कार्यकर्ताओं को भी उनकी नाक बचानी है। इसके लिए अखिलेश ने संकेत दे दिया है, वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसी तरह कांग्रेस के नेताओं को भी अपनी जीत पर भरोसा नहीं है। भाजपा नेता ने गांधी परिवार पर कहा कि सबसे पहले रायबरेली लोकसभा सीट को सोनिया गांधी ने छोड़ दिया। और फिर अब राहुल गांधी वायनाड सीट से नामांकन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट को राहुल ने भी छोड़ ही दिया है।

भाजपा अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए करती है काम : मुख्यमंत्री

किशनगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए काम करती है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि उन्हें जनता का विश्वास जीतना है तथा जनता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी है, क्योंकि चुनाव राजनीतिक कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा में कोई भी मैसेज 15 मिनिट में हर स्तर के कार्यकर्ता तक पहुंचकर उस पर कार्यवाही भी शुरू हो जाती है, ऐसा सिस्टम केवल भाजपा के पास ही है। शर्मा सोमवार को लोकसभा चुनाव के रण में मार्बल एसोसिएशन, किशनगढ़ के सभागार में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भजनलाल ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद राजनीतिक दलों और राजनेताओं की तुष्टिकरण,

भ्रष्टाचार और लूट-झूठ की राजनीति को बदलने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा देती थी, जबकि गरीब कल्याण से उनका कोई सरोकार नहीं है। प्रधानमंत्री ने देश के विकास के साथ गरीब कल्याण एवं सीमा सुरक्षा सहित हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। मोदी ने वर्ष 2014 और वर्ष 2019 में किए वादों को पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ईआरसीपी के द्वारा पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों में पानी पहुंचाने का काम कर रही है। ईआरसीपी के माध्यम से इन जिलों में पेयजल के साथ 2 लाख 80 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई भी होगी। गत कांग्रेस सरकार द्वारा ईआरसीपी पर अटकाने, लटकाने तथा भटकाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार, हरियाणा सरकार और राजस्थान सरकार द्वारा 30 साल से लंबित ऐतिहासिक यमुना जल समझौता किया गया। इसके माध्यम से राजस्थान को अपने हिस्से का पूरा पानी मिलेगा। शर्मा ने कहा कि पेपरलीक को रोकने के लिए हमारी सरकार के गठन के तुरंत बाद ही एसआईटी का गठन किया। एसआईटी ने इन प्रकरणों पर त्वरित कार्रवाई कर 97 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि राज्य संविधान से चलता है तथा ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले बड़े से बड़े व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि गैंगवार सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए सरकार द्वारा एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पेट्रोल-डीजल के दामों में कमी की और राज्य में पेट्रोल-डीजल की दरों में विसंगति को दूर कर जनता से किए वादे को पूरा किया है। शर्मा ने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि 6 हजार से बढ़ाकर 8 हजार रुपए, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 150 रुपए की बढ़ोतरी कर 1150 रुपए करने, जनप्रतिनिधि का भत्ता बढ़ाने जैसे निर्णय हमारी सरकार ने लिए हैं। उन्होंने कहा कि हमने सरकार बनने के केवल 90 दिनों में ही संकल्प पत्र में किए 45 प्रतिशत वादे पूर्ण कर दिए हैं।

लोस चुनाव में इस बार चूक गई जनता तो महंगाई बेरोजगारी से हो जाएगी हालत खराब : अखिलेश

लखनऊ/रांची (हिंस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सोमवार को झारखण्ड के रांची दौरे पर पहुंचे। उन्होंने इंडिया (आईएनडीआई) गठबंधन की संयुक्त रूप से आयोजित उलगुलान महारैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह लोकसभा चुनाव बहुत विशेष है। इस लोकसभा चुनाव में भाजपा को हर हालत में हटाना है। अगर देश की जनता इस बार भाजपा को हटाने से चूक गयी तो महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार वर्तमान हालात से भी ज्यादा खराब हो जाएंगे। इनके पास देश की जनता को बताने के लिए कुछ नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबसे झूठी पार्टी है। इलेक्टोरल बांड के नाम पर भारी भ्रष्टाचार किया है। हजारों करोड़ रुपए की चुनावी चंदा के नाम पर वसूली की है। तमाम कम्पनियों को डराकर वसूली की। कोरोना के समय वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी से भी वसूली कर ली है।

कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा भ्रष्टाचार के सहोदर भाई हैं : बाबूलाल मरांडी

पश्चिमी सिंहभूम (हिंस)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस बार एनडीए गठबंधन को 14 सीटें जीतना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 400 सीटें लेकर तीसरी बार देश की बागडोर संभालें, यही निवेदन करने आया हूं। मरांडी आज चाईबासा में लोगों को संबोधित कर रहे थे। वे सांसद प्रत्याशी गीता कोड़ा के नामांकन के अवसर पर चाईबासा पहुंचे थे। मरांडी ने कहा कि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में देश और झारखंड के लिए काफी काम किया है। पार्टी ने सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास

का नारा दिया है। इस दौरान सभी वर्गों के लिए काम किया। पिछली किसी भी सरकार ने अपने कार्यकाल में इतना काम नहीं किया। भाजपा जो कहती है, वह करती है। झारखंड अलग राज्य भी भाजपा की देन है। झारखंड की लड़ाई वर्षों से लड़ी जा रही थी लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इस राज्य की लोगों की भावना का कद्र नहीं किया। कभी सम्मान नहीं दिया। यहां के नेता जयपाल सिंह और शिबू सोरेन को खेलाते और खिलाते रहे लेकिन झारखंड राज्य नहीं बना। भाजपा ने वादा किया था कि सत्ता में आने के बाद झारखंड अलग राज्य बना देगी। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनते ही 15 नवंबर, 2000 को झारखंड अलग राज्य का गठन हो गया। मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता में आने से पहले गांव में सड़कें नहीं थी। बीमार होने पर लोग अस्पताल नहीं पहुंच पाए थे।

अफजाल अंसारी के मुकदमे में फंसा कानूनी पेंच, कट सकता टिकट

लखनऊ (हिंस)। गैंगस्टर के मामले में चार वर्षों की सजा सुनने वाले गाजीपुर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अफजाल अंसारी का टिकट कट सकता है। चर्चा यह भी है कि पार्टी के मुख्यालय में बड़े नेताओं ने कानूनी पेंच की जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को देते हुए अफजाल के स्थान पर किसी पिछड़ा चेहरे को उम्मीदवार बनाने की पैरवी कर दी है। अफजाल अंसारी का परिचय राजनीति में नया नहीं है। 90 की दशक से राजनीति में दबदबा बनाने वाले अफजाल ने बहुजन समाज पार्टी तो कभी कौमी एकता दल और आजकल समाजवादी पार्टी के चेहरे के रूप में गाजीपुर में जाने जाते हैं। इस बार गाजीपुर लोकसभा सीट से उन्हें अखिलेश यादव ने टिकट दिया है। चुनाव के दौरान ही अफजाल के भाई मुख्तार अंसारी की जेल में मौत होने के बाद अखिलेश यादव दुख व्यक्त करने के लिए अफजाल के घर गाजीपुर गए थे। इससे अफजाल अंसारी और अखिलेश यादव के मधुर संबंधों को जाना जा सकता है।

अयोध्या में रामलला के दर्शन कर निहाल हुए 30 देशों के रामभक्त

अयोध्या (हिंस)। श्रीरामलला का दर्शन करने सोमवार को 30 देशों से 90 श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं का नेतृत्व वैश्विक भारत के ब्रांड एंबेसडर व दिल्ली स्टडी ग्रुप के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली ने किया। सभी श्रद्धालुओं का स्वागत रामनामी अंगवस्त्र देकर व माथे पर चंदन का तिलक लगाकर किया गया। इससे पहले बीती शाम सभी श्रद्धालु सरयू घाट पर आरती में शामिल हुए थे। इस टोली ने हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचकर राम भक्त बजरंगबली का आशीर्वाद भी लिया। सोमवार को सभी ने श्रीराम मंदिर में बैठकर सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान प्रवासी भारतीयों की 400 श्रद्धालुओं की टोली ने रामलला के दर्शन किये। अयोध्या पहुंचने वालों में प्रमुख रूप से भूटान के राजदूत मेजर जनरल वेत्सोप नामग्याल, काउंसलर दोरजिक किंजांग, चीन गणराज्य (ताइवान) प्रतिनिधि कुमारी त्साई जेन चुन, भारत में रोमानिया महावाणिज्य दूत विजय मेहता व टुवालू महावाणिज्य दूत डॉ. दीपक जैन और निर्वासित तिब्बत संसद के स्पीकर खेंपो सोनम तेनफेल शामिल रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अतिथियों की

सुरक्षा व्यवस्था के लिए चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। दर्शन करने वाले प्रवासी भारतीयों में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, भूटान, कनाडा, कोलंबिया, कंबोडिया, जॉर्जिया, गुयाना, केन्या, कजाकिस्तान, मलेशिया, मोजाम्बिक, मकाऊ, नाइजीरिया, नेपाल, नॉर्वे, रोमानिया, रवांडा, स्पेन, सिंगापुर, सिंट मार्टेन, चीन गणराज्य (ताइवान), ताजिकिस्तान, त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो, तुवालु, तिब्बत, युगांडा, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, संयुक्त राज्य अमेरिका इत्यादि देशों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

पृथ्वी दिवस : सभी मानव के सामूहिक प्रयास से ही बचेगी धरती

पूर्वी चंपारण (हिंस)। आज पूरी दुनिया में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जा रहा है। दरअसल इस दिन को याद करने का मुख्य उद्देश्य यह है, कि पूरी मानवता का पालन हार पृथ्वी (धरती) की रक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके। वह भी उस स्थिति में जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में है और इसके कई बुरे परिणाम सुनामी, बाढ़, अनावृष्टि, अतिवृष्टि, भयंकर तूफान और भूकंप के रूप में भी सामने आ रहे है। पृथ्वी को बचाने वाली ओजोन परत में छेद होने व उत्तरी ध्रुव पर स्थित ग्लेशियर के पिघलने के बाद वैश्विक स्तर पर पृथ्वी को बचाने की कोशिश तेज कर दी गई है। हालांकि वह प्रयास तब ही सार्थक हो पायेगा। जब पृथ्वी पर रहने वाले हर मानव पृथ्वी को बचाने के लिए छोटे-छोटे प्रयास करे, क्योंकि आज पृथ्वी पर मौजूद जल, जंगल और जमीन के साथ ही पहाड़ और हिम शिखर भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। बढ़ती जनसंख्या और धरती पर बढ़ते कंक्रीट के जंगल (मकान) के साथ धरती का दोहन कई स्तरो पर बदस्तूर जारी है। ऐसे में जरूरी है, कि धरती को बचाने

के लिए सबका सामूहिक प्रयास हो। इसके लिए सबको अपने आसपास पेड़ लगाने की जरूरत है। ताकि पर्यावरण स्वच्छ और संतुलित बना रहे। साथ ही इससे फल के साथ पशुओ के लिए चारा व ईधन भी प्राप्त हो सके। पृथ्वी को बचाने के लिए पानी का सही इस्तेमाल जरूरी है। क्योंकि पानी की कमी से आज लाखों लोग परेशान हैं। जैसे- ब्रश करते समय टैब को बंद कर देना चाहिए, नहाने के लिए शॉवर के बजाए बाल्टी का इस्तेमाल करें। ऐसे और भी कई छोटे-छोटे प्रयासों से हम पानी की बचत कर सकते हैं। आम तौर पर ऐसा देखा जा रहा है, कि लोग कचरे और प्लास्टिक अवशेष को पानी में डालते है, जबकि ऐसा कदापि नहीं करना चाहिए। इससे जलस्रोत दूषित होने के साथ ही धरती के अंदर जल का प्रवेश अवरूद्ध हो रहा है। जिससे भू जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। इंटरनेट के युग में भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मोबाइल, एलईडी स्क्रीन का प्रचलन बढा है। जिसे वैज्ञानिको ने ग्लोबल वार्मिंग का कारक माना है, ऐसे में सप्ताह में एक दिन मोबाइल और एलईडी स्क्रीन से दूर रहकर उस समय को नदियों या धरती पर मौजूद पेड़ पौधे के संरक्षण में या पुस्तक पढ़ने में गुजारना चाहिए। पृथ्वी दिवस पर हम सब स्वयं यह शपथ ले कि हम अपने आसपास साफ-सफाई रखेंगे। अपने घरों के साथ ही कहीं आते-जाते वक्त यत्र तत्र कचरा नहीं फेंकेगे। सूखे या गीले कचरे के लिए हमेशा डस्टबिन का ही प्रयोग करेगे। हमे पता है, कि जिस बिजली का हम प्रयोग कर रहे है, उसे तैयार करने में भारी तापमान की जरूरत होती है। जिससे धरती काफी गर्म हो रही है। ऐसे में हमे कम से कम बिजली के प्रयोग करने चाहिए। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का भी हमे अनुचित प्रयोग से बचना चाहिए। बिजली की जितनी जरूरत हो उतनी ही इस्तेमाल करें। बिना जरूरत लाइट, पंखा, एसी का इस्तेमाल न ही करे तो बेहतर होगा।

जोमैटो से खाना मंगाना हुआ महंगा : प्लेटफॉर्म चार्ज 25 प्रतिशत बढ़कर 5 रुपए हुआ, इससे कंपनी को सालाना 90 करोड़ की इनकम होगी

नई दिल्ली।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो से खाना मंगाना अब थोड़ा और महंगा हो गया है। कंपनी ने प्लेटफॉर्म चार्ज में 25 प्रतिशत का इजाफा किया है। अब कस्टमर्स को हर ऑर्डर पर 4 रुपए के बदले 5 रुपए प्लेटफॉर्म चार्ज देना होगा।जोमैटो सालाना करीब 85-90 करोड़ ऑर्डर की डिलीवरी करता है। यानी रोजाना करीब 24 लाख ऑर्डर जोमैटो को मिलते हैं। प्लेटफॉर्म फीस में 1 रुपए प्रति ऑर्डर बढ़ोतरी के बाद कंपनी के एबीटडा में सालाना 85-90 करोड़ की बढ़ोतरी होगी।

अगस्त 2023 में 2 रुपए से शुरू किया था प्लेटफॉर्म चार्ज - जोमैटो ने पिछले साल अगस्त में दो रुपए प्लेटफॉर्म चार्ज लेना शुरू किया था। बाद में इसे बढ़ाकर 3 रुपए और 1 जनवरी 2024 से 4 रुपए कर दिया था। कंपनी ने 31 दिसंबर 2023 को 9 रुपए प्लेटफॉर्म फीस के रूप में ग्राहकों से वसूला था।

इंटरसिटी फूड डिलीवरी सर्विस सस्पेंड - इसके अलावा कंपनी ने अपनी इंटरसिटी फूड डिलीवरी सर्विस इंटरसिटी लीजेंड्स को सस्पेंड कर दिया है। इस सर्विस के जरिए कंपनी प्रमुख शहरों के बड़े रेस्टोरेंट्स से दूसरे शहरों के कस्टमर्स तक ऑर्डर पहुंचाती थी।

जोमैटो के शेयर ने एक साल में 242.14 प्रतिशत का रिटर्न दिया - जोमैटो के शेयर में 1.24 प्रतिशत की तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर ने पिछले 5 दिन में 2.16 प्रतिशत, एक महीने में 9.99 प्रतिशत, 6 महीने में 75.94 प्रतिशत और एक साल में 242.14 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी ने इस साल शेयरहोल्डर्स को 53.90 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। जोमैटो का मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.66 लाख करोड़ रुपए है।

कंपनी का नेट प्रॉफिट 138 करोड़ रहा - जोमैटो फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नेट प्रॉफिट 138 करोड़ रुपए रहा था। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 346.6 करोड़ का लॉस हुआ था। वहीं तिमाही आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 283 प्रतिशत रहा। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 36 करोड़ रुपए का प्रॉफिट दर्ज किया था।

रेवेन्यू 69 प्रतिशत बढ़कर 3,288 करोड़ रुपए रहा - ऑपरेशंस से कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू भी सालाना आधार पर 69 प्रतिशत बढ़कर 3,288 करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में कंपनी ने 1,948 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

15 साल में पहली बार 2 करोड़ रुपए का प्रॉफिट - एक साल पहले यानी वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में कंपनी को 2 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। 2008 में कंपनी की स्थापना के बाद यह पहला मौका था जब कंपनी ने मुनाफा दर्ज किया था।

न्यूज ब्रीफ

2023-24 में 18 फीसदी बढ़ा प्रत्यक्ष कर संग्रह, 19.58 लाख करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली । भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 करोड़ रुपये हो गया। कर विभाग ने कहा कि यह राशि संशोधित अनुमानों से काफी अधिक है। त्यक्ष कर संग्रह में सबसे बड़ी हिस्सेदारी आयकर और कॉरपोरेट कर संग्रह 2023-24 के दौरान बजट अनुमानों से 1.35 लाख करोड़ रुपये (7.40 प्रतिशत) और संशोधित अनुमानों से 13,000 करोड़ रुपये अधिक रहा। इनकी प्रत्यक्ष कर संग्रह में सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह (अनंतिम) 18.48 प्रतिशत बढ़कर 23.37 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिफंड के बाद शुद्ध आय 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये रही। प्रत्यक्ष कर संग्रह के आंकड़े अर्थव्यवस्था में उछाल और व्यक्तियों तथा कॉरपोरेट की आय में वृद्धि को दर्शाते हैं। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 3.79 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध संग्रह 19.58 लाख करोड़ रुपये है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 16.64 लाख करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में इस वर्ष के लिए संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जिसे बाद में संशोधित कर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक बयान में कहा गया कि अनंतिम प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड को छोड़कर) बजट अनुमान से 7.40 प्रतिशत और संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान रिफंड के समायोजन से पहले प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (अनंतिम) 23.37 लाख करोड़ रुपये रहा। यह राशि वित्त वर्ष 2022-23 के 19.72 लाख करोड़ रुपये के सकल संग्रह से 18.48 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल कॉरपोरेट कर संग्रह (अनंतिम), इससे पिछले वर्ष के 10 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 13.06 प्रतिशत बढ़कर 11.32 लाख करोड़ रुपये हो गया।

अब किसी भी उम्र में खरीद सकेंगे बीमा पालिसी, अभी तक 65 साल से ऊपर था प्रतिबंध

नई दिल्ली । बीमा नियामक इरडा ने बाजार को व्यापक बनाने और स्वास्थ्य देखभाल खर्चों से पर्याप्त सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने वाले व्यक्तियों के लिए 65 वर्ष की आयु सीमा हटा दी है। पहले के दिशानिर्देशों के अनुसार व्यक्तियों को केवल 65 वर्ष की आयु तक नई बीमा पॉलिसी खरीदने की अनुमति थी। हालांकि, एक अप्रैल से प्रभावी हुए हालिया संशोधन के साथ किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति नई बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए पात्र है। हालिया गजट अधिसूचना में इरडा ने कहा कि बीमाकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि वे सभी आयु समूहों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य बीमा उत्पादों की पेशकश करें। बीमाकर्ता विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, बच्चों, मातृत्व और सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्दिष्ट किसी भी अन्य समूह के लिए उत्पाद डिजाइन कर सकते हैं। इसके अलावा बीमाकर्ताओं को पहले से किसी भी प्रकार की चिकित्सीय स्थिति वाले व्यक्तियों को स्वास्थ्य पॉलिसियां प्रदान करने का आदेश दिया गया है। नतीजतन, बीमाकर्ताओं को कैंसर, हृदय या गुर्दे की विफलता और एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से मना करने से प्रतिबंधित किया गया है। अधिसूचना के अनुसार बीमाकर्ताओं को पॉलिसीधारकों की सुविधा के लिए किस्तों में प्रीमियम भुगतान की पेशकश करने की अनुमति है।

गूगल का नया स्मार्टफोन पिक्सल 8ए अगले महीने होगा लांच

नई दिल्ली । गूगल का नया स्मार्टफोन गूगल पिक्सल 8ए अगले महीने अपने ग्लोबल गूगल के एक इवेंट में लांच किया जा सकता है। बता दें कि पिक्सल 8ए की कीमत भी ऑनलाइन लीक हो गई है, गूगल के इस स्मार्टफोन को खरीदने के लिए थोड़ा ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। इसके अलावा ये भी उम्मीद की जा रही है कि आने वाले फोन में एआई सुविधाएं मिल सकती हैं। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा में पिक्सल 8ए की कीमत 128जीबी स्टोरेज कॉन्फिगरेशन के लिए सीएडी 708.99 (लगभग 42,830 रुपये) होगी, जबकि 256जीबी वेरिएंट की कीमत सीएडी 792.99 (लगभग 47,900 रुपये) होगी। बताया जा रहा है कि पिक्सल 8ए की कीमत पिछले 7ए से 1,000 रुपये से 2000 रुपये अधिक होगी। गूगल ने मई 2023 में पिक्सल 7ए लॉन्च किया था, जिसकी कीमत 8जीबी प्लस 128जीबी रैम और स्टोरेज कॉन्फिगरेशन के लिए 43,999 रुपये रखी गई थी। पिक्सल 8ए के कंपनी के जी3 चिप से लैस होने की संभावना है।

वोडाफोन-आइडिया का एफपीओ आखिरी दिन 1.08 गुना सब्सक्राइब

1,260 करोड़ शेयर्स के लिए 1,357 करोड़ बोलियां मिलीं, 18,000 करोड़ जुटाना चाहती है कंपनी

मुंबई।

कर्ज में डूबी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया का फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर यानी एफपीओ बिडिंग प्रोसेस के आखिरी दिन 22 अप्रैल को 1.08 गुना ज्यादा सब्सक्राइब हुआ है। इस इश्यू के जरिए कंपनी 18,000 करोड़ जुटाना चाहती है। वीआई ने इसके लिए 1,260 करोड़ शेयर्स ऑफर किए थे, जिसके मुकाबले 1,357 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिलीं।

सबसे ज्यादा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का सब्सक्रिप्शन

अलग-अलग कैटेगरी में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बिडर्स ने 1.48 गुना,नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 2.04 गुना बोली लगाई है। जबकि, रिटेल निवेशकों ने 0.44 गुना सब्सक्राइब किया है।

रिटेल निवेशकों के लिए यह 18 अप्रैल को ओपन हुआ था। इससे पहले वीआई ने 74 एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी इस फंड का इस्तेमाल 5जी सर्विस रोलआउट करने के लिए करेगी।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं

इस एफपीओ के लिए रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 1298 शेयर के लिए अप्लाई कर सकते हैं। कंपनी ने एफपीओ का प्राइज बैंड 10-11 प्रति शेयर तय किया है। यदि आप एफपीओ के अपर प्राइज बैंड 11 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,278 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 14 लॉट यानी 18172 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 199,892 इन्वेस्ट करने होंगे।

वीआई ने एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए

एफपीओ ओपन होने से पहले वीआई ने 74 एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने बीएसई फाइलिंग में बीते दिन इस बात की जानकारी दी थी। वीआई ने इसके लिए 11 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 491 करोड़ शेयर्स एलॉकेट किए।

निवेशकों में सबसे ज्यादा 26 प्रतिशत शेयर जीएनजी पार्टनर्स को मिले हैं, जीएनजी ने इसके लिए 1,345 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसके अलावा फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स ने 772 करोड़, ट्रू-कैपिटल और ऑस्ट्रेलियन सुपर ने 331 करोड़ और 130 करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया है। निवेशकों में द मास्टर ट्रस्ट बैंक ऑफ जापान, यूबीएस , मॉर्गन स्टेनली इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स, ऑस्ट्रेलियन सुपर, फिडेलिटी, क्वांट और मोतीलाल ओसवाल शामिल हैं।

यह अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ

यह अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ है। भारतीय मार्केट में अभी सबसे बड़ा एफपीओ यस बैंक का है, जो 15 हजार करोड़ रुपए का था। वहीं अडाणी एंटरप्राइजेज पिछले साल जनवरी में 20 हजार करोड़ रुपए का एफपीओ लाई थी। हालांकि, बाद में कंपनी ने इसे वापस ले लिया। अगर ऐसा न करती तो अडाणी एंटरप्राइजेज सबसे बड़े एफपीओ लाने वाली कंपनी होती।

4जी और 5जी सर्विस के लिए फंड का इस्तेमाल करेगी कंपनी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस फंड का इस्तेमाल 5जी रोलआउट करने और 4जी सर्विस को बेहतर करने में करेगी। इसके साथ ही यह फंडरेजिंग कंपनी को अपनी कॉम्पिटेटिव पोजिशनिंग में सुधार करने और बेहतर कस्टमर एक्सपीरियंस प्रोवाइड करने में भी सक्षम बनाएगा।

वोडाफोन आइडिया पर 2,10,000 करोड़ का कर्ज

वोडाफोन आइडिया वित्तीय दिक्कतों से जूझ रही है, जिसपर 2,10,000 करोड़ का कर्ज है। वोडाफोन आइडिया अपने कॉम्पिटिर्टस के साथ कॉम्पिटिशन करने के लिए अपनी सर्विस और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करना चाहती है। कंपनी अभी रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसे बड़े कॉम्पिटिर्टस से काफी पीछे है।

एफपीओ क्या होता है

फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर एक ऐसी प्रोसेस है जिसके ऐसी कंपनी जो पहले से शेयर बाजार में लिस्ट है, वह निवेशकों या मौजूदा शेयर होल्डर्स, आम तौर पर प्रमोटर्स को नए शेयर इश्यू करती है। आसान भाषा में समझे तो शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियां सेकेंडरी मार्केट में नए शेयर इश्यू करके फंड जुटाती हैं।

भारत में मेटल पार्ट्स का उत्पादन करने के लिए इंडो एमआईएम से जुड़ा एचपी

नई दिल्ली।

मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देते हुए, पीसी और प्रिंटर प्रमुख एचपी ने कहा कि उसने भारत में बड़े पैमाने पर मेटल 3डीपी पार्ट्स को बनाने के लिए मेटल इंजेक्शन मोल्डिंग (एमआईएम) कंपनी इंडो-एमआईएम के साथ साझेदारी की है। एचपी की 3डीपी टेक्नोलॉजी के साथ, इंडो-एमआईएम ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, डिफेंस, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और मेडिकल इक्विपमेंट सेगमेंट जैसे सेक्टर के लिए 3डी-प्रिंटेड हाई-प्रिसिशन मेटल पार्ट्स का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन करेगा। कंपनी के अनुसार, इंडो-एमआईएम की बेंगलुरु फैसिलिटी में स्थापित ये मशीनें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों की जरूरतों को पूरा करेंगी। एचपी के पर्सनलाइजेशन और 3डी प्रिंटिंग के अध्यक्ष सावी बवेजा ने कहा, हम लोकल स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग और दुनिया भर में एक्सपोर्ट कर भारत में मेटल पार्ट्स के प्रोडक्शन में बदलाव लाने के लिए तैयार हैं। इस साझेदारी के हिस्से के रूप में, इंडो-एमआईएम ने तीन एचपी मेटल जेट एस100 प्रिंटर में निवेश किया है। इसके दो एडवांस मेटल जेट एस100 प्रिंटर भारतीय ग्राहकों को स्थानीय समर्थन प्रदान करेंगे और प्रोडक्शन का विस्तार करेंगे। उनमें से एक नए मटेरियल डेवलपमेंट पर फोकस करेगा, जबकि दूसरा भारत, मध्य पूर्व और बाकी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में ग्राहकों के लिए एप्लिकेशन डेवलपमेंट और कैटरिंग को बढ़ावा देगा। तीसरा प्रिंटर अमेरिका में इंडो-एमआईएम फैसिलिटी में स्थापित किया गया है। इंडो-एमआईएम के सीईओ कृष्णा चिवुकुला जूनियर ने कहा, एचपी का मेटल जेट एस100 प्रिंटर हमें लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से लैस करता है, जिससे हम अपने कस्टमर्स की बढ़ती डिमांड को पूरा करने में सक्षम होते हैं, साथ ही एचपी प्रिंटर प्लेटफॉर्म पर क्वालीफाइड मटेरियल की लाइब्रेरी का विस्तार भी करते हैं। कंपनी ने कहा कि इस साझेदारी के जरिए, एचपी की एडवांस टेक्नोलॉजी इंडो-एमआईएम को भारतीय और अमेरिकी दोनों बाजारों के लिए टॉप क्वालिटी वाले मेटल पार्ट्स बनाने में सक्षम बनाती है।

हांगकांग ने इन भारतीय मसालों की बिक्री पर लगाई रोक, उत्पादों में कीटनाशक मिलने का दावा

हांगकांग ।

हांगकांग की सरकार ने भारत के मशहूर मसाला ब्रांड्स एमडीएच प्राइवेट लिमिटेड और एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के चार उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। हांगकांग की सरकार का दावा है कि जांच में इन मसालों में कीटनाशक पाया गया है, जो सेहत के लिए खतरनाक है। हांगकांग सरकार ने मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। इससे पहले सिंगापुर की सरकार ने भी भारतीय मसाला ब्रांड्स पर रोक लगा दी थी।

हांगकांग की सरकार ने इन उत्पादों पर लगाया प्रतिबंध

हांगकांग के सेंटर फॉर फूड सेफ्टी विभाग ने बताया है कि कई मसाला उत्पादों में कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड मिला पाया गया है। हांगकांग की सरकार ने लोगों से इन उत्पादों का सेवन नहीं करने की अपील की है और साथ ही इन उत्पादों की बिक्री पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने का निर्देश दिया। जिन मसालों पर रोक लगाई गई है, उनमें एमडीएच का उत्पाद मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला मिक्स मसाला पाउडर और करी पाउडर मिक्स मसाला और एवरेस्ट का उत्पाद फिश करी मसाला शामिल है। हांगकांग की सरकार ने इन उत्पादों के आयात पर

रोक लगाने और तुरंत उन्हें दुकानों में बिक्री की जगह से हटाने के निर्देश के साथ ही पहले से मौजूद उत्पादों को वापस भेजने का निर्देश दिया था।

सिंगापुर ने भी लगाया था बैन

हांगकांग सरकार के अधिकारियों ने रुटीन फूड सर्विलांस के दौरान तीन रिटेल दुकानों से इन मसालों के सैंपल लिए थे। इन सैंपल्स की जांच में ही इनमें कीटनाशक एथीलीन ऑक्साइड के होने का दावा किया गया। कैंसर पर रिसर्च करने वाली एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने बताया कि एथीलीन ऑक्साइड इंसानों में कैंसर का कारण बन सकता है। हांगकांग की सरकार ने बताया है कि उनके निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 50 हजार डॉलर का जुर्माना और छह महीने की जेल की सजा हो सकती है।

बंद हो जाएंगे क्रेडिट कार्ड से कुछ भुगतान आरबीआई की आपत्ति के बाद क्या हुए बदलाव

नई दिल्ली ।

अगर आप भी क्रेडिट कार्ड के जरिए मकान या दुकान का किराया, सोसायटी शुल्क, ट्यूशन फीस, वेंडर शुल्क आदि का भुगतान करते हैं तो अब आपकी मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। आरबीआई के इन भुगतान पर आपत्ति जताने के बाद से क्रेडिट कार्ड के जरिए किए जाने वाले कुछ भुगतान पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक क्रेडिट कार्ड के तहत किए जाने वाले भुगतान को लेकर बड़ा फैसला कर सकता है। सूत्रों की मानें तो क्रेडिट कार्ड से होने वाले मकान या दुकान के किराए, सोसायटी शुल्क, ट्यूशन फीस, वेंडर शुल्क आदि के भुगतान के विकल्प हटाए जा सकते हैं। आरबीआई ने इन भुगतानों पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि क्रेडिट कार्ड को ग्राहक के किसी कारोबारी को व्यावसायिक भुगतान कर पाने के लिए बनाया गया। न की व्यक्तिगत तौर पर होने वाले भुगतान के लिए। पिछले कुछ

सालों में क्रेडिट कार्ड से ये सब भुगतान की संख्या काफी बढ़ी है। लेकिन जल्द ही इस पर रोक लगाई जा सकती है। आरबीआई का कहना है कि व्यावसायिक भुगतान के अलावा अन्य भुगतान करने के लिए भुगतान प्राप्त करने वाले को भी कारोबारी खाता खुलवाना पड़ेगा। आरबीआई ने कहा कि दोनों के नियमों और मानकों में काफी अंतर है, इसलिए इसका पालन करना आवश्यक भी है। पिछले साल 1.5 लाख करोड़ का हुआ था भुगतान पिछले कुछ वर्षों में लोगों के क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल करने का आंकड़ा बढ़ा है। आरबीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछली फरवरी में क्रेडिट कार्ड से लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का भुगतान हुआ। प्रतिवर्ष इसमें 26 फीसदी की वृद्धि भी हुई। लेकिन इस 1.5 लाख करोड़ रुपये के भुगतान में ट्यूशन फीस, किराए का भुगतान, सोसायटी शुल्क का भुगतान आदि प्रतिशत ज्यादा था।

क्रेडिट कार्ड धारकों को ऐसा है फायदा

क्रेडिट कार्ड धारकों को भुगतान करने में कई फायदे होते हैं। पहला सबसे अहम फायदा यही है कि हाल फिलहाल नगद न होने पर भी क्रेडिट कार्ड से भुगतान कर सकते हैं। इससे उन्हें भुगतान करने के बाद भी 50 दिन का अतिरिक्त समय मिल जाता है। दूसरा फायदा यह कि कई क्रेडिट कार्ड कंपनियां भुगतान करने पर कैशबैक या रिवार्ड अंक देती हैं। तीसरा फायदा यह भी है कि कई कंपनी खर्च की लिमिट के हिसाब से वार्षिक शुल्क भी माफ कर देती हैं। आरबीआई के आपत्ति जताने के बाद से बैंक अलर्ट हो गए हैं। बैंक की ओर से भी इस भुगतान को रोकने की कोशिश शुरू हो गई है। कई बैंक की ओर से कुछ भुगतान पर रिवार्ड अंक देना बंद हो गया है।

धीरूभाई अंबानी ने देखा था पोस्टकार्ड से सस्ती कॉल का सपना, जियो ने उसे कैसे किया साकार

नई दिल्ली।

एक फोन कॉल के कितने रुपये लगते हैं इस जवाब के लिए आपका दिमाग पर जोर डालना बताता है कि अब भारत में फोन कॉल कितनी सस्ती हो चुकी हो है। तकरीबन मुफ्त ही कह सकते हैं। और इसका काफी हद श्रेय जाता है रिलायंस इंडस्ट्रीज की जियो इंफोकॉम को।

कॉल रेट को इतना सस्ता करने का सपना देखा था, रिलायंस इंडस्ट्रीज के फाउंडर धीरूभाई अंबानी ने। वह चाहते थे कि भारत के लोग पोस्ट कॉर्ड से भी कम कीमत में कॉल करें। यह वो जमाना था, जब इनकमिंग कॉल के भी पैसे देने पड़ते थे।

रिलायंस कम्युनिकेशंस की शुरुआत

साल 2002 में धीरूभाई अंबानी के कर लो दुनिया मुट्ठी में नारे के साथ

रिलायंस टेलिकॉम सेक्टर में उतरी। उस समय दूरसंचार क्षेत्र में बीएसएनएल और एयरटेल जैसी कंपनियों का दबदबा था। लेकिन, रिलायंस कम्युनिकेशंस ने सिर्फ 600 रुपये का फोन और 15 पैसे की कॉल रेट देकर तहलका मचा दिया। हालांकि, धीरूभाई अंबानी के इंतकाल के बाद रिलायंस ग्रुप का उनके दोनों बेटों- मुकेश अंबानी और अनिल अंबानी के बीच बंटवारा हो गया। मुकेश की टेलिकॉम सेक्टर में काफी दिलचस्पी थी, लेकिन 2006 में रिलायंस ग्रुप के बंटवारे में आरकोम धीरूभाई के छोटे बेटे अनिल के हिस्से आई। उस वक्त भारत का टेलीकॉम सेक्टर काफी तेजी से बदल रहा था। वोडाफोन जैसी विदेशी कंपनी भी सस्ते प्लान के साथ इंडियन मार्केट में उतर गई थी। वहीं, रिलायंस का कस्टमर बेस मुख्यत: सीडीएमए था। मतलब कि आप सिर्फ आरकोम में ही इसका सिम चला सकते हैं। और कॉल रेट भी सेम नेटवर्क ही सस्ता पड़ता था।

रिलायंस कम्युनिकेशंस का बुरा दौर

उस दौर में चीन के किफायती मल्टीमीडिया फोन की एंट्री भी हो चुकी थी। इन फोन की लोकप्रियता काफी तेजी से बढ़ रही और इसमें ज़रूरिसम लगता था। जैसा कि आजकल का सिम होता है, जो किसी भी फोन में लग जाता है। सिम और सस्ते चाइनीज फोन के गठजोड़ ने आरकोम के कस्टमर बेस को भारी चोट पहुंचाई।

2010 के आसपास तो ऐसा वक्त आ गया कि टेलिकॉम मार्केट पर वोडाफोन, एयरटेल, आइडिया और बीएसएनएल जैसी कंपनियों का पूरा कब्जा हो गया। फिर आरकोम को भी मजबूरन सिम वाले सेगमेंट में उतरना पड़ा, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। उसके पूरे कस्टमर बेस को दूसरी टेलिकॉम कंपनियों ने कैप्चर कर लिया था।

फिर मार्केट में आया रिलायंस जियो

रिलायंस ग्रुप के बंटवारे के वक्त यह करार हुआ था कि दोनों भाई कोई ऐसा बिजनेस नहीं शुरू कर सकते, जिससे दूसरे को नुकसान हो। यह नॉन-कंपीट कंडीशन साल 2010 में खत्म हुई। और उसके बाद मुकेश अंबानी ने टेलिकॉम सेक्टर में उतरने की तैयारी शुरू कर दी, जो उनका वर्षों पुराना सपना था।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जून 2010 में 4,800 करोड़ रुपये में इन्फोटेल ब्रॉडबैंड सर्विसेज लिमिटेड में 96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। यही इकलौती नॉन-लिस्टेड टेलिकॉम कंपनी थी, जिसने 4जी ऑक्शन में भारत के सभी 22 सर्किलों में ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम जीता था।

जियो इन्फोकॉम ने कैसे बनाया दबदबा

इन्फोटेल ब्रॉडबैंड सर्विसेज लिमिटेड जनवरी 2013 में रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड बन गई। लेकिन, जियो पूरे देश में अपनी 4जी सर्विस सितंबर 2016 में पेश किया। इसने शुरुआत में अपनी सेवाओं को मुफ्त रखा। जब पेड भी की, तो दाम दूसरी कंपनियों के मुकाबले काफी कम रखा।

हम्पी महिला कैंडिडेट्स शतरंज में दूसरे स्थान पर रहीं, टाईब्रेकर में चीनी खिलाड़ी को हराया

टोरंटो ।

भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज चीन की टी लेइ को हराकर टाईब्रेकर में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की झोंग्यी तान शीर्ष पर रही जिन्होंने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक से ड्रॉ खेला ।

आर वैशाली लगातार पांचवीं जीत दर्ज करके संयुक्त दूसरे स्थान पर थी, लेकिन टाईब्रेकर के बाद चौथे स्थान पर रही। उन्होंने रूस की कैटरीना लागनो को हराया। तान ने नौ अंक बनाए, जबकि हम्पी उनसे डेढ अंक पीछे थीं। लेइ तीसरे और वैशाली चौथे स्थान पर रहीं। अलेक्जेंद्रा गोरियाश्किना पांचवें स्थान पर रहीं। लागनो छठे , बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा सातवें और मुजिचुक आठवें स्थान पर रहीं। हम्पी के सात दौर के बाद ढाई अंक ही थे, लेकिन बाकी सात मैचों में उन्होंने पांच अंक बनाए।

गुकेश पुरुषों में बने चैंपियन

इससे पहले चेन्नई के 17 वर्षीय डी गुकेश ने प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लिया था। हालांकि, अब कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम दौर में हिकारू नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ खेलने के बाद वह इस टूर्नामेंट के सबसे कम उम्र के विजेता बन गए हैं। इतना ही नहीं, वह विश्व शतरंज चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी भी बन गए हैं। वह कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन गए और विश्वनाथन आनंद के बाद यह टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए।

नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ खेलने के बाद उनका टूर्नामेंट जीतना तय नहीं था। सबकुछ बियो कारुआना और इयान नेपोमनियाच्ची के बीच चल रहे अन्य मैच पर टिका था। इन दोनों में से जीतने वाला खिलाड़ी गुकेश के साथ टाई ब्रेकर खेलता। हालांकि, भाग्य गुकेश पर मेहरबान था, क्योंकि कारुआना और नेपोमनियाच्ची ने ड्रॉ खेला और गुकेश सबसे ज्यादा नौ अंक लेकर शीर्ष पर आ गए और टूर्नामेंट अपने नाम किया।

न्यूज ब्रीफ

स्पेनिश पैरा-बैडमिंटन 2024 में सुकांत कदम को रजत पदक

नई दिल्ली । शीर्ष पैरा-शटलर सुकांत कदम ने स्पेन के विटोरिया में खेले गए स्पेनिश पैरा-बैडमिंटन इंटरनेशनल 2024-द्वितीय टूर्नामेंट में रजत पदक हासिल किया। एसएल 4 वर्ग के फाइनल में सुकांत को हमवतन तरूण के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। सेमीफाइनल में सुकांत ने विश्व चैंपियन सुहास यतिराज को हराया। फाइनल में सुकांत का मुकाबला हमवतन तरूण से हुआ। सुकांत ने मैच की अच्छी शुरुआत की लेकिन पहले गेम में 13-21 से हार गए। दूसरे गेम में सुकांत ने जोरदार वापसी की और कड़ी मेहनत करते हुए 21-16 से जीत हासिल की। तीसरे और निर्णायक गेम में सुकांत ने कुछ गलतियां कीं जो महंगी साबित हुईं और वह लड़ते-लड़ते हार गए। मैच का अंतिम स्कोर 13-21, 21-16, 16-21 रहा। मैच के बारे में बात करते हुए सुकांत ने कहा, मुझे लगता है कि मेरा टूर्नामेंट बहुत अच्छा रहा, फाइनल में भी मैंने अच्छा खेला लेकिन तरुण मेरे से काफी आगे रहा। अब मेरा ध्यान अगले सप्ताह शुरू होने वाले ग्रेड लेवल 1 स्पैनिश टूर्नामेंट पर है। मैं टूर्नामेंट की गलतियों का विश्लेषण करूंगा और सुनिश्चित करूंगा कि मैं उन्हें दोबारा न दोहराऊं ।

विश्व क्वालिफायर के लिए नए सिरे से ट्रायल कराएगा कुश्ती संघ, 14 श्रेणियों के लिए होना है चयन

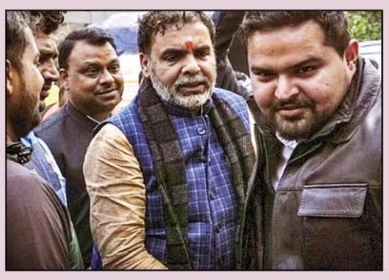

नई दिल्ली । एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर में भारतीय पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन से नाराज और चिंतित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने विश्व क्वालिफायर में भारतीय टीम के चयन के लिए नए सिरे से ट्रायल कराने का फैसला किया है। बिश्केक में एशियाई चैंपियनशिप में भारत ने 18 में से चार ही कोटा हासिल किए और सभी महिला पहलवानों को मिले जिनमें विनेश फोगाट भी शामिल हैं। अभी भी 14 श्रेणियां बची हैं और नौ मई से तुर्की में होने वाले विश्व क्वालिफायर में जीतना एशियाई क्वालिफायर की तुलना में कठिन होगा। डब्ल्यूएफआई सभी 14 श्रेणियों में ट्रायल का आयोजन करेगा। इनमें महिला वर्ग में दो (68 और 62 किग्रा), पुरुष फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन में छह-छह वर्ग शामिल हैं जिनके ट्रायल अप्रैल के आखिरी सप्ताह या मई के प्रथम सप्ताह में आयोजित किए जाएंगे। एक सूत्र ने कहा, 'डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह ने भारतीय कोचों और चयन समिति के सदस्यों से प्रदर्शन पर चर्चा की। उन्होंने स्वीकार किया कि यह बेहद खराब प्रदर्शन रहा। यह पहली बार हुआ है कि फ्रीस्टाइल में भी भारत को कोटे के लिए जूझना पड़ रहा है। यह तय किया गया है कि डब्ल्यूएफआई सभी 14 वर्गों में ट्रायल का आयोजन करेगा।

सहवाग ने सैम करन की जमकर आलोचना की

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के स्टैंड-इन कप्तान सैम करन की टीम में भूमिका पर सवाल उठाया। पंजाब किंग्स को अपने घरेलू मैदान पर गुजरात से 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा जो इस सीजन टीम की छठी हार है। सहवाग की यह टिप्पणी पीबीकेएस को कम स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में गुजरात जाइंट्स के हाथों हार झेलने के बाद आई। करन ने 19 गेंदों में 20 रन बनाए और अपने दो ओवरों में 18 रन देकर एक विकेट लिया। सहवाग ने कहा, अगर मैं पीबीकेएस डगआउट में होता, तो मैं उसे अपनी टीम में नहीं चुनता, न तो बल्लेबाजी ऑलराउंडर के रूप में और न ही गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में। वो खिलाड़ी किसी काम का नहीं अगर वह थोड़ी गेंदबाजी और थोड़ी बल्लेबाजी कर सकता है। या तो आप ठीक से बल्लेबाजी करें और हमें मैच जिताएं, या फिर अपनी गेंदबाजी से हमें जिताएं। मुझे यह छोटे-छोटे हिस्से में बंटे खिलाड़ी समझ में नहीं आते। इस सीजन में करन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। उन्होंने 8 पारियों में 116.03 की स्ट्राइक रेट से केवल 152 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम एक अर्धशतक भी शामिल है। गेंदबाजी के मामले में उन्होंने 8 मैचों में 8.79 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए हैं।

हमें आप पर गर्व है, प्रधानमंत्री मोदी ने गुकेश को दी बधाई, तमिलनाडु के सीएम ने कही यह बात

नई दिल्ली ।

भारत के 17 साल के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस टूर्नामेंट को जीतने वाले सबसे कम उम्र के चैंपियन बने। इसके साथ ही वह विश्व चैंपियन को चैलेंज करने वाले सबसे कम उम्र के चैलेंजर भी बने। उन्होंने महान गैरी कास्पारोव का 40 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गुकेश की इस उपलब्धि के बाद पूरी दुनिया से उन्हें बधाई संदेश मिल रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत के स्टार शतरंज खिलाड़ी को बधाई दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा- गुकेश, जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने पर भारत को आप पर गर्व है। टोरंटो में कैंडिडेट्स में गुकेश की उल्लेखनीय उपलब्धि उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण को दर्शाती है। उनका उत्कृष्ट प्रदर्शन और शीर्ष तक का सफर लाखों लोगों को प्रेरित करता है।

स्टालिन ने भी दी बधाई

वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भी गुकेश को बधाई दी है। उन्होंने कहा- अविश्वसनीय उपलब्धि के लिए गुकेश डी को बधाई! केवल 17 साल की उम्र में उन्होंने सबसे कम उम्र के चैलेंजर और टूर्नामेंट जीतने वाले खिलाड़ी के रूप में इतिहास रचा है। विश्व शतरंज चैम्पियनशिप खिताब के लिए डिंग लिरेन के खिलाफ आगे की लड़ाई के लिए शुभकामनाएं!

गुकेश का बयान

भारत के चेन्नई के रहने वाले गुकेश ने 2024 शतरंज टूर्नामेंट जीता और खिताब के लिए मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को चुनौती देने का अधिकार हासिल किया। अपने इस खिताब के बाद उन्होंने कहा- नाकामुरा के खिलाफ मैच एक बहुत ही महत्वपूर्ण मैच था। मैं आधे अंकों से आगे चल रहा था। मेरा प्लान खुद पर अधिक दबाव नहीं डालना और चीजों को नियंत्रण में रखना था। जानबूझकर तो नहीं, लेकिन हमेशा यह विचार (इतिहास रचने का) रहता है। आपके दिमाग में महत्वपूर्ण मैच और लक्ष्य को लेकर चीजें चलती रहती हैं। हालांकि, आखिरी मुकाबले में मैंने इसके बारे में न सोचने और खेल पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की।

भारत में शतरंज फलफूल रहा

गुकेश ने कहा- भारत में शतरंज फलफूल रहा है। हम सभी अच्छा कर रहे हैं और भारतीय खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट जीतना एक बड़ी उपलब्धि है। अगर मैं टूर्नामेंट के दौरान प्राग (आर प्रगनानंदा - भारत के शतरंज ग्रैंडमास्टर) से भी भिड़ता, तो उस वक्त दोस्ती के लिए कोई जगह नहीं होती। यह पूरी तरह प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट था। इस तरह के टूर्नामेंट में हर कोई प्रतिस्पर्धी होता है।

गुकेश ने कहा- मेरा अगला लक्ष्य स्पष्ट रूप से विश्व चैंपियनशिप फाइनल है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की योजना बना रहा हूं। वहां मैं सही चीजें करने की कोशिश करूंगा और शतरंज खेलने के लिए आवश्यक मेंटल स्पेस में रहूंगा। उम्मीद है कि चीजें भारत के अनुरूप होंगी। विश्वनाथन सर (विश्वनाथन आनंद) मेरे पूरे करियर में हमेशा एक बड़ा समर्थन रहे हैं। वह न केवल एक प्रेरणा और रोल मॉडल रहे हैं, बल्कि उन्होंने मुझे और भारत के कई युवाओं को व्यक्तिगत रूप से भी समर्थन दिया है।

फाइनल को लेकर गुकेश का बयान

डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप फाइनल मैच की तैयारी को लेकर पूछे जाने पर गुकेश ने कहा- मैंने अभी तक उस बारे में नहीं सोचा है। इसके लिए मुझे ज्यादा समय नहीं मिला है। मैं जल्द ही इसको लेकर तैयारी शुरू करूंगा और प्लान तैयार करूंगा। मैं इस टूर्नामेंट में बेहतर करने की कोशिश करूंगा। मैं हमेशा, हर जगह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता हूं।

पैदल चाल एथलीट प्रियंका गोस्वामी और अक्षदीप सिंह का शानदार प्रदर्शन हासिल किया पेरिस ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली ।

भारतीय पैदल चाल एथलीट प्रियंका गोस्वामी और अक्षदीप सिंह ने अंताल्या में जारी विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टीम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया है। टॉप्स स्कीम योजना के एथलीट प्रियंका और अक्षदीप की जोड़ी ने पैदल चाल की मिक्स्ड मैराथन रेस में 18वें स्थान पर रहकर कोटा हासिल किया।

शीर्ष-22 टीमें स्वतः क्वालीफाई करेंगी

इस चैंपियनशिप में शीर्ष 22 टीमें स्वतः ही ओलंपिक के लिए क्वलीफाई कर लेंगी। प्रियंका और अक्षदीप की भारतीय जोड़ी ने सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन करते हुए 42.195 किमी की दूरी तीन घंटे पांच मिनट तीन सेकेंड में पूरी की और पेरिस ओलंपिक के लिए कट हासिल करने के मानदंड को पूरा किया। इस रेस में प्रतिस्पर्धा करने वाले अन्य भारतीय एथलीट मुनिता प्रजापति और परमजीत सिंह तीन घंटे नौ मिनट और 58 सेकेंड के समय के साथ 35वें स्थान पर रहे और ओलंपिक का कोटा हासिल करने से चूक गए। वैकल्पिक रूप से दूरी तय करते हैं एथलीट मिक्स्ड टीम रिले पैदल चाल में पुरुष और महिला खिलाड़ी को वैकल्पिक रूप से यह दूरी तय करनी होती है। पुरुष खिलाड़ी 12.195 किलोमीटर चलता है और फिर महिला 10 किलोमीटर की दूरी तय करती है। इसके बाद पुरुष और महिला 10-10 किमी चलते हैं। हर चरण के शुरू होने से पहले 20 किलोमीटर चेंजओवर के लिए होते हैं। इटली की टीम ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान और स्पेन क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

ओलंपिक में डेब्यू करेगा पैदल चाल में मिक्स्ड रिले इवेंट

पैदल चाल वर्ग में मैराथन मिक्स्ड रिले इवेंट पेरिस ओलंपिक में डेब्यू करेगा। यह इवेंट रिले प्रारूप में टीमों के साथ आयोजित किया जाता है। पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल जुलाई-अगस्त में होगा। भारतीय एथलीटों की नजरें पेरिस ओलंपिक में अपने इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर टिकी होंगी। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य सहित कुल सात पदक जीते थे।

नरेन को आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं गंभीर

कोलकाता ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोच गौतम गंभीर ने सुनील नरेन की जमकर प्रशंसा की है। गंभीर ने कहा कि नरेन को वह आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं। गंभीर के अनुसार साल 2011 में नरेन को भारत के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में खेलने देखकर उन्हें पता चल गया था कि ये खिलाड़ी टी20 क्रिकेट में महान बनेगा। गंभीर ने कहा कि साल 2011 में नारायण को पदार्पण श्रृंखला में खेलते हुए देखने के बाद ही उन्होंने इस खिलाड़ी को आईपीएल के लिए शामिल करने का फैसला किया था।

गंभीर ने कहा, 'मैंने तब नरेन की सात या आठ गेंदों का ही सामना किया था और तभी मुझे लगा कि यह का महान क्रिकेटर बनेगा। नरेन ने अपने आईपीएल करियर में 170 विकेट लिए हैं और लीग में 168 मैच में एक शतक सहित 1322 रन भी बनाए हैं। नरेन ने दिसंबर 2011 में अहमदाबाद में तीसरे एकदिवसीय में भारत के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था जिसमें उन्होंने विराट कोहली और आर अश्विन को आउट कर 34 रन देकर दो विकेट लिए थे। गंभीर ने चौथे एकदिवसीय में पहली बार नरेन की गेंदों का सामना किया था। नरेन हालांकि छह ओवर में 46 रन देकर कोई विकेट नहीं ले पाये थे। वहीं साल 2012 में नरेन केकेआर के रहस्यमयी गेंदबाज के तौर पर सामने आए और 24 विकेट लेकर मोर्नी मोर्कल के 25 विकेट के बाद दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने थे। इससे केकेआर की टीम 2012 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही। केकेआर ने दूसरी बार जब 2014 में खिताब जीता तब भी नरेन ने 21 विकेट लिए थे। इसके साथ ही वह बल्लेबाजी से भी टीम का सहयोग करते रहे हैं।

अभिषेक ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का राज बताया

नई दिल्ली ।

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। अभिषेक ने पारी की शुरुआत करते हुए कई आक्रामक पारियां खेली हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 12 गेंद में ही 46 रन बना दिये थे। अब अभिषेक ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के पीछे छिपा राज बताया है।

अभिषेक ने कहा कि आईपीएल में प्रतिद्वंद्वी टीम के मुख्य गेंदबाजों को ध्यान में रखकर तैयारी करने से उन्हें लाभ हुआ है। अभिषेक ने ट्रेविस हेड के साथ केवल 38 गेंद में 131 रन की साझेदारी की थी। उन्होंने पावरप्ले में 125 रन बनाने का रिकॉर्ड भी इसी सत्र में अपने नाम किया है। उन्होंने इस सत्र में कुलदीप यादव को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने चार छक्के कुलदीप की गेंद पर लगाये हैं। इसी को लेकर अभिषेक ने कहा कि कुलदीप की गेंदबाजी का वीडियो देखने का उन्हें लाभ हुआ। अभिषेक ने कहा, '' मैं स्पिनरों और विरोधी टीम के मुख्य गेंदबाजों के अनुसार तैयारी करता हूं। इस साल भी मैंने कुलदीप के खिलाफ खेलने की तैयारी की थी क्योंकि वे उनके मुख्य गेंदबाज है। मैं उनका वीडियो देखता हूं। मैं अभ्यास सत्र में विरोधी टीम के गेंदबाजों की तरह गेंद डालने वाले किसी गेंदबाज के खिलाफ अभ्यास भी करता हूं। इससे भी मुझे लाभ मिलता है।

अपनी पारी में छह छक्के लगाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि उनकी मौजूदा लय कड़ी मेहनत से आई है। उन्होंने कहा, ''आईपीएल से पहले मैंने कड़ी मेहनत की थी। सैयद मुश्ताक ट्रॉफी (घरेलू टी20 टूर्नामेंट) में भी मैंने काफी मेहनत की थी इससे मुझे काफी लाभ हो रहा है।'' अभिषेक ने कहा कि वह काफी समय से हेड के प्रशंसक रहे है और उनके साथ बल्लेबाजी करने का अनुभव शानदार रहता है। साथ ही कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी है जिसका मैं अनुसरण करना चाहता हूं। मैं तीनों प्रारूप में हेड की बल्लेबाजी का प्रशंस हूं। उनके हमारी टीम में होने से भी मुझे लाभ मिला है।

साथ ही कहा कि जब भी मुझे गेंदबाजी का मौका मिलेगा मुझे उसके लिए तैयार रहना चाहिये।

उथप्पा बोले मानसिक रुप से निराश हैं पांड्या

नई दिल्ली ।

पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या मानसिक रुप से परेशान होने के कारण आईपीएल सत्र में अबतक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। पांड्या को इस सत्र में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी दी गयी थी पर वह गेंद और बल्ले के अलावा कप्तानी कौशल में भी सफल नहीं हुए हैं। उथप्पा के अनुसार रोहित शर्मा की जगह टीम की कप्तानी संभालने के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों की हूटिंग का शिकार हुए हैं जिससे उनका मानसिक स्वास्थ्य खराब हुआ है। उन्हें प्रशंसकों की ओर से लगातार नकारात्मकता मिल रही है। पहले 7 मैचों में मुंबई ने नए कप्तान हार्दिक के नेतृत्व में केवल तीन जीत हासिल की हैं।

हार्दिक का बचाव करते हुए उथप्पा ने कहा कि प्रशंसकों का उनके प्रति व्यवहार सही नहीं है। उथप्पा ने कहा, वह एक ऐसा व्यक्ति है जिसमें भारतीय टीम के लिए सर्वकालिक महान बनने की क्षमता है। जिस टीम ने उसे खोजा था, उसने उसे जाने दिया, वह दूसरी फ्रेंचाइजी में चला गया। उनके साथ 3-4 खिताब जीतने के बाद वह चला गया। उसे थोड़ा बुरा लगा होगा, वह गुजरात टाइटंस में गया, एक खिताब जीता और दूसरे में उपविजेता रहा।

उथप्पा ने कहा, मजाक, ट्रोलिंग, उनकी फिटनेस के बारे में मीम्स। आपको उसे दुख होता है। यह किसी भी इंसान को हताश करता है। साथ ही कहा कि हम लोग, भारतीय होने के नाते, भावुक हैं। लेकिन किसी भी इंसान के प्रति इस तरह का व्यवहार करना हमारे लिए अशोभनीय है, हमें इन मीम्स पर हंसना नहीं चाहिए और न ही उन्हें आगे भेजना चाहिये।

उन्होंने कहा, एक कॉर्पोरेट व्यक्ति का काम टेलीविजन पर आलोचना करना या उसके बारे में राय रखना नहीं है। जब ऐसा मामला होता है, तो आपको दूसरे व्यक्ति के प्रति एक निश्चित मात्रा में सहानुभूति और सम्मान का व्यवहार करना होगा ताकि उन्हें विफल होने दिया जा सके। एक देश के रूप में हमने जो सबसे खूबसूरत चीजें की हैं उनमें से एक है हमारे प्यार की अभिव्यक्ति और हमारे भारतीय के प्रति हमारी प्रतिक्रिया, विश्व कप हारने के बाद हमें एक समाज और भारतीय के रूप में ऐसा ही होना चाहिए।

तरुण ने जीता स्वर्ण, सुहास को कांस्य, पैरा शटलरों ने छह स्वर्ण समेत 22 पदक जीते

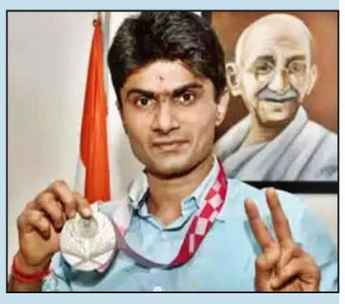

विटोरिया (स्पेन)। स्पेनिश पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय पैरा शटलरों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छह स्वर्ण समेत 22 पदक जीते। तरुण ने सुकांत कदम को हराकर एसएल-4 कैटेगरी का स्वर्ण जीता, जबकि विश्व चैंपियन सुहास एलवाई ने यहां कांस्य पदक जीता। उन्हें सेमीफाइनल में सुकांत के हाथों हार मिली। एसएल-3 कैटेगरी में नितेश कुमार ने मनोज सरकार को हराकर स्वर्ण जीता, जगदेश को कांस्य पदक मिला। महिलाओं की एसएच-6 कैटेगरी का स्वर्ण नित्याश्री ने जीता। नितेश ने तुलसीमती के साथ मिलकर मिश्रित युगल की एसएल-3, एसयू-5 का स्वर्ण जीता। महिला युगल की एसएल-3, एसयू-5 कैटेगरी का स्वर्ण पलक कोहली और सेलिक ने जीता। महिलाओं की एसयू-5 कैटेगरी का स्वर्ण मनीषा रामदास ने जीता।

बालों को स्ट्रेटनर से सीधा करने का सही तरीका

सीधे बाल हमेशा ही अच्छे दिखते हैं। यहाँ बताया गया है कि आप किस प्रकार सही तरीके से बालों को सीधा कर सकते हैं। आजकल सीधे बालों का फैशन पुन आ गया है। क्या आप सोचती हैं कि सीधे बालों का फैशन बहुत पुराना हो गया है? नहीं, ऐसा नहीं है।

अत आपको जानना चाहिए कि आप किस प्रकार बालों को सही तरीके से सीधा बना सकती हैं। क्योंकि सीधे बालों का फैशन पुन आ गया है अत: सही तरीका जानना बहुत आवश्यक है क्योंकि गलत तरीके से आपके बालों को नुकसान हो सकता है। निश्चय ही हम आपको यह सलाह नहीं देंगे कि आप रोज अपने बालों को सीधा करें। परन्तु क्या आप जानते हैं कि यदि आप इसे सही तरीके से करेंगी तो आपको बालों को सीधा करने की जरूरत नहीं होगी और एक बार सीधा करने पर बाल कुछ दिनों तक सीधे ही रहेंगे।

तो बालों को रोज सीधा करने से अच्छा है कि सही तरीका अपनाया जाए, हैं कि आजकल बहुत से सेलिब्रिटीज इस स्टाइल को अपना रहे हैं। यदि आपके बाल सीधे ही हैं तो आपको अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है।परन्तु यदि आपके बाल वेवी या कर्ली (घुंघराले) हैं तो इसमें कुछ समय लग सकता है। तो यहाँ बालों को सीधा करने का सही तरीका बताया गया है। इन सलाहों को माने और सही तरीके से अपने बालों को सीधा करें।

कंघी करें

अपने बालों को कंघी करें ताकि इसमें कोई गठान न रह जाएँ। उलझे हुए बाल होने से बालों को सीधा करने से तकलीफ होती है और बालों को नुकसान भी होता है। बालों को सीधा करने की प्रक्रिया में यह सबसे महत्वपू र्ण चरण है जिसे छोड़ना नहीं चाहिए।

हीट प्रोटेक्ट

यदि आप अपने बालों को सीधा कर रही हैं तो हीट प्रोटेक्टिंग क्रीम या मिस्ट का उपयोग बहुत आवश्यक है। हीट स्टाइलिंग से आपके बालों को नुकसान होता है और इस तरह के स्प्रे या क्रीम आपके बालों और हीट टूल्स के बीच एक रोधक बना देते हैं।

ब्लो ड्राय

बालों को प्रोटेक्ट करने के बाद ब्लो ड्राय से अपने बालों को सेट करें। ब्लो ड्राय करने के बाद आप अगले चरण की तरफ बढ सकते हैं।

बालों को बाँटें

अब जब आपके बाल सेट हो चुके हैं तो बालो को छोटे छोटे भागों में बांटे और उनमें क्लिप लगायें। इन सेक्शन का आकार आपकी सहूलियत के अनुसार रखें।

सेक्शंस को सीधा करें

अब एक सेक्शन को छोडे और एक समय में एक सेक्शन को सीधा करें। आपको प्रत्येक सेक्शन पर एक से अधिक बार भी स्ट्रेटनर चलाना प? सकता है जब तक यह ठीक तरह से स्ट्रेट न हो जाएँ। यदि आप पहली बार टूल का उपयोग कर रहे हैं तो इसका संभालकर उपयोग करें और जब बालों में कंघी करें या सेक्शन बनायें तब इसे दूर रखें।

सीरम-सीरम का उपयोग करके बालों को सेट करें। इससे बाल अधिक समय तक स्ट्रेट बने रहेंगे और बालों में चमक भी आएगी।

छीन सकती हैं आपकी प्यारी मुस्कान

धूम्रपान करने से दांत पीले हो जाते हैं। लेकिन इसके नुकसान अधिक भयावह होते हैं। किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन करने से आपके दांतों और मसूड़ों को बेहद नुकसान पहुंचाता है। इससे गले और मुंह का कैंसर हो सकता है और कई मामलों में यह मृत्यु का कारण भी बन सकता है। तंबाकू में मौजूद टार से दांतों पर एक परत जम जाती है, जिसमें बैक्टीरिया उत्पन्न होता है। दांतों और मसूड़ों को काफी नुकसान हो सकता है।

नहीं छूट रही सिगरेट की लत तो अपनाएं ये टिप्स!

आज का लाइफस्टाइल ही कुछ ऐसा है कि हर कोई इस तनाव भरी और भागदौड़ भरी जिंदगी में अपने काम में घंटो तक लगा रहता है और कई बार इसी कारण कुछ लोगो को सिगरेट पीने की लत लग जाती है। जिससे पीछा छुडाना बहुत मुश्किल हो जाता है।इस लत का आदि आदमी किसी काम में अपना मन नहीं लगा पाता उसे थोड़ी थोड़ी देर बाद सिगरेट पीना पढ़ता है। ऐसा व्यक्ति दूसरों को भी नुकसान पहुंचाता है।इस आदत से पीछा छुडाने के लिए लोग डॉक्टर से लेकर कई अन्य उपाय अपनाते हैं,लेकिन फिर भी इस बुरी लत से पीछा नहीं छुड़वा पाते। लेकिन कहते है कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती बस आपके अंदर उसे छोड़ने का दृढ़-निश्चय होना चाहिए।इसके लिए आपको किसी दवा की जरूरत नहीं है बस इन 10 घरेलू नुस्खों को अजमा कर आप सिगरेट पीने की लत से आसानी से पीछा छुड़ा सकते हैं।

1. शहद के साथ मूली का सेवन करने से जल्दी ही इस लत को छोड़ने में मदद मिलती है।
2. जब भी आपका सिगरेट पीने का मन करे तो अदरक के टुकड़े में नींबू का रस और काला नमक लगाकर चूसें, यह स्मोकिंग की इच्छा को कम करता है।
3. नमक लगे हुए आंवले के टुकड़ों को स्मोकिंग की इच्छा होने पर चूसने से यह आदत छूट जाती है।इसमें मौजूद विटामिन सी निकोटिन की आदत छुड़ाने में मदद करता है।
4. जब भी सिगरेट पीने की इच्छा हो तो चुइंगम चबाना चाहिए।इससे ध्यान हट जाएगा और इसे पाने को मन नहीं करेगा।
5. यदि आप अपनी डायट में लाल मिर्च को शामिल करे तो यह निकोटिन की इच्छा को कम करने में मदद करती है।
6. इसमें व्यक्ति को शहद चाटना चाहिए क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन्स और प्रोटीन इस लत को छुडवाने में काफी मददगार है।
7. जब भी सिगरेट पीने की तलब लगे आप दालचीनी का एक टुकड़ा अपने मुंह में रखकर चूसें।दालचीनी का तीखा स्वाद निकोटिन से आपका ध्यान हटाने में मदद करेगा।
8. इस लत से छुटकारा पाने के लिए दिनभर में दो से तीन बार बेकिंग सोड़ा को पानी में घोलकर पीना चाहिए।
9. इससे पीड़ित आदमी अपनी डायट में ओट्स को जरूर शामिल करें क्योंकि ओट्स शरीर के विषैले तत्व बाहर निकाल देता है और स्मोकिंग की इच्छा कम होने लग जाती है।
10. यदि आप दिनभर में 6-8 ग्लास पानी पीते हैं तो इससे आपकी बॉडी हाइड्रेट रहती है और शरीर में पानी की मौजूदगी निकोटिन के बूरे प्रभाव को कम करती है।

धूम्रपान का सेवन कर रहा यौन क्षमता को प्रभावित

धूम्रपान से न सिर्फ दिल का दौरा, लकवा और रक्तचाप बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं, बल्कि यह पुरुषों की यौन क्षमता पर भी असर कर सकता है। जो लोग दिन में 20 सिगरेट पीते हैं उनमें मर्दाना ताकत कम होने की संभावना 40 प्रतिशत तक बढ़ जाती है, यह जानकारी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मनोनीत अध्यक्ष डॉ। के.के. अग्रवाल ने दी। उन्होंने कहा कि धुएं में मौजूद निकोटीन विभिन्न अंगों को सिकोड़ सकता है। %टोबैको कंट्रोल% में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक धूम्रपान करने वाले 16 से 59 वर्ष के पुरुषों में मर्दाना कमजोरी की संभावना दोगुनी होती है।

शादी के कपड़ों को ऐसे सहेज कर रखें

हर नवविवाहिता अपनी शादी के कपड़ों को सहेज कर रखना चाहती हैं। महंगे और भारी भरकम दुल्हन के कपड़ों को नमी से बचाकर लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें सही ढंग से बैग में रखना चहिए। डिजाइनर श्वेता चौधरी के सुझावों को अपनाकर आप भी अपनी शादी के यादगार कपड़ों को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकती हैं।

- अलमारी में शोल्डर स्ट्रैप की तरह लटकाकर कपड़े रखने के बजाय छोरों से लटका कर रखें अन्यथा यह कपड़े को ढीला कर देगा।
- कपड़ों को तह करके रखते समय बीच में कोई प्लेन पेपर लगा कर तह करें जिससे आपकी कढ़ाई व कपड़ों की रौनक नहीं खराब होगी।

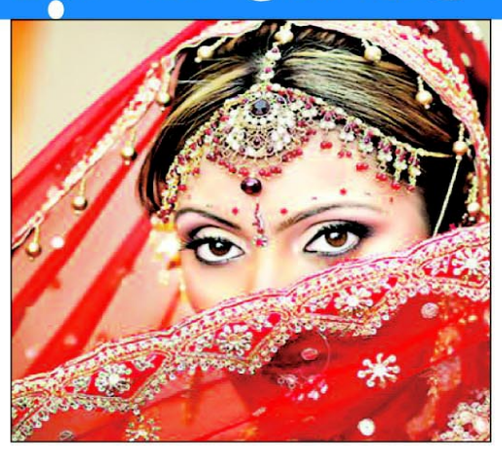

- कपड़े को पारदर्शी सिलोफन बैग में रखें क्योंकि यह नमी रोधी होता है।
- तेज प्रकाश या कड़ी धूप से कपड़े को बचा कर रखें क्योंकि इससे कपड़े का रंग बदल सकता है।
- दुपट्टे को उपर्युक्त बताए हुए तरीकों से सुरक्षित रखा जा सकता है। जबकि ब्लाउज को टांग कर या तह लगाकर रखने से यह लंबे समय तक सुरक्षित रह सकता है।
- जिस स्टोर, शोरूम या दुकान से आप शादी के कपड़े खरीदें वहां से इन्हें सुरक्षित रखने के लिए और भी पारदर्शी बैग मांग लें।

घर में चार चांद लगाते खूबसूरत रंग

पुराने रंग की दीवारों से घर में बोरियत आने लग जाती है। यदि आप अपने ड्रीम होम का मेकओवर चाहते हैं तो आप अपने घर की दीवारों को नए खूबसूरत रंगो से पेंट करवाएं। यदि घर का लुक बदलता रहे तो दिल और दिमाग दोनों ही खुश और अपनी जगह पर रहते हैं। घर के इंटीरियर को चेंज करना कोई फैशन नहीं बल्कि ये जरूरत है। क्योंकि सारे दिन की थकान हम घर पर ही आकर उतारते हैं। डिजाइनर दीवारें पेंट करवाने के बदलते तरीकों से आप अपने घर का लुक बिल्कुल चेंज कर सकते हैं।

1. ग्रीन : अगर आप प्रकृति के करीब रहना पसंद करते है तो घर को ग्रीन कलर से पेंट करवाए। ग्रीन कलर से घर को सॉफ्ट लुक मिलता है। इसके अलावा ट्रेंडी लुक देने के लिए ऑलिव ग्रीन कलर बैस्ट है।

2. ऑरेंज : घर को न्यू लुक देने के लिए ऑरेंज कलर का चुनाव करें। कमरे की एक दीवार को ऑरेंज कलर से पेंट करवाएं और बाकी दीवारों के लिए न्यूट्रल कलर जैसे ऑफ व्हाइट, बेज आदि का इस्तेमाल करें।

3. ब्लू : यह रंग आंखों को सुकून देता है। जिस कमरे में सनलाइट भरपूर आती हो तो उसके लिए सही है। अगर कमरा छोटा हो तो डार्क ब्ल्यू कलर का इस्तेमाल ना करें। यह रंग हमें तनावमुक्त रखने में मदद करता है।

4. येलो : रूम का येलो कलर ताजगी का एहसास दिलाता है। अगर आप अपने रूम को येलो कलर से पेंट करा रही हैं तो इसके साथ व्हाइट, ऑफ व्हाइट, लाइम ग्रीन कलर की एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें। ये कॉम्बिनेशन रूम को ब्राइट और ट्रेंडी लुक देता है।

5. रेड : रेड कलर सभी को अपनी ओर आकर्षित करता है। अगर आप बेडरूम या किसी अन्य रूम को रोमांटिक व हॉट लुक देना चाहते हैं तो उसका मेकओवर हॉट रेड कलर से करें। कमरे की सभी दीवारों के बजाएं किसी एक दीवार पर रेड कलर करवाएं।

घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखते हैं ये पौधे

सभी लोगों को अपने घर और दफ्तर में पौधे लगाने का शौंक होता है। इससे वातावरण स्वच्छ रहता है और घर भी सुंदर लगता है। ज्यादातर लोग घरों में रंग-बिरंगे फूलों वाले पौधे लगाते हैं लेकिन कुछ ऐसे पौधे होते हैं जिन्हें घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा फैलती है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ प्लांट्स के बारे में

1. लिली : लिली एक ऐसा पौधा है जिसके फूल बहुत ही सुंदर होते हैं। यह घर को तो सुंदर रखता ही है, साथ में हानिकारक और विषैली गैसों को घर से बाहर निकालता है। इसके अलावा यह मानसिक और शारीरिक समृद्धि भी प्रदान करता है। यह पौधा अंधेरे और सूरज की रोशनी के बिना ही पनपता है इसलिए इसे घर के अंदर किसी भी कोने में रख सकते हैं।

2. चमेली : पति-पत्नी में मधुर संबंध बनाए रखने में यह पौधा काफी सहायक है। जैस्मीन का पौधा सकारात्मक ऊर्जा को अपनी तरफ आकर्षित करता है और संबंधो को मजबूत बनाता है। इस पौधे को घर के उत्तर-पूर्वी हिस्से में रखने से फायदा होता है।

3. रोजमैरी : रोजमैरी के पौधे में छोटे-छोटे लेकिन बहुत ही खूबसूरत फूल लगे होते हैं जो घर की शोभा बढ़ाते हैं। यह हानिकारक और विषैले पदार्थों को खत्म करके हवा को साफ करता है और बीमारियों को दूर रखता है। रोजमैरी के फूलों की सुंगध से मूड बदल जाता है और मन को शांति मिलती है।

4. मनी प्लांट: यह एक ऐसा पौधा है जो हर घर में आसानी से देखने को मिलेगा। इससे घर में ताजगी और हरियाली आती है। घर की नैगेटिव ऊर्जा और स्ट्रैस को दूर करने के लिए किसी कोने में इस पौधे को लगाना चाहिए।

5. आर्किड : यह बहुत ही सुंदर सफेद रंग के फूलों वाला पौधा है जो पॉजिटिव ऊर्जा को घर में बिखेरता है। यह सभी आकार में मिल जाता है और इसके फूल काफी लंबे समय तक फ्रैश रहते हैं। ऑर्केड का पौधा रात के समय ऑक्सीजन गैस छोड़ता है जो सांस लेने के लिए बहुत जरूरी होती है। ऐसे में इस पौधे को कमरे के अंदर रखना चाहिए।

छुट्टियों में हैदराबाद जा रहे हैं, ऐसे करें एन्जॉय

जिस तरह लखनऊ को नवाबों का शहर कहा जाता है उसी तरह हैदराबाद निजामों का शहर कहलाता है। यहां के पुराने शहर में जहां आज भी निजामों की शान-ओ-शौकत मौजूद है वहीं, न्यू हैदराबाद आईटी सेक्टर का हब है। लिहाजा इस बार अगर आप छुट्टियों में हैदराबाद जाने की प्लैनिंग कर रहे हैं तो इन जगहों पर जाना न भूलें-

चार मिनार

दुनियाभर में हैदराबाद की पहचान अगर किसी चीज से है तो वह है चार मिनार। चार मिनार घूमें बिना आपकी हैदराबाद की यात्रा पूरी नहीं होगी। खासतौर पर रात के वक्त रोशनी में डूबा हुआ चार मिनार और भी खूबसूरत लगता है।

मक्का मस्जिद

मक्का मस्जिद भारत की सबसे बड़ी और प्रसिद्ध मस्जिदों में से एक है। मक्का से लाए गए पत्थरों से इस मस्जिद का मेहराब तैयार किया गया था। यही वजह है कि इसका नाम मक्का मस्जिद पड़ा।

गोलकोंडा फोर्ट

गोलकोंडा फोर्ट अपने खूबसूरत महलों, वॉटर सप्लाई सिस्टम और अकूस्टिक्स के लिए जाना जाता है। इस किले में शाम के वक्त स्पेशल साउंड ऐंड लाइट शो होता है जिसे आपको मिस नहीं करना चाहिए।

हुसैनसागर झील

ट्विन सिटी हैदराबाद और सिकंदराबाद के बीच बहती है हुसैनसागर झील जिसके बीचों बीच स्थित है भगवान बुद्ध की मूर्ति। यहां आकर मोटर बोट्स के जरिए आप बुद्ध की मूर्ति की सैर कर सकते हैं।

रामोजी फिल्म सिटी

हैदराबाद में बेस्ड है तेलगू भाषा की टॉलिवुड फिल्म इंडस्ट्री और हैदराबाद में ही है रामोजी फिल्म सिटी जो दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म स्टूडियो कॉम्प्लेक्स है। यह पूरा स्टूडियो 1600 एकड़ में फैला हुआ है। आप यहां बस के जरिए पूरे फिल्म सिटी की सैर कर सकते हैं।

चौमाहाला पैलेस

1750 सन में इस महल का निर्माण शुरू हुआ था और इससे बनने में करीब 100 साल का वक्त लगा। यह पैलेस इतना खूबसूरत है कि जब आप इसके अंदर जाएंगे तब आपको इस बात का अंदाजा लगेगा कि आखिर इसे बनने में इतना वक्त क्यों लगा। यह निजामों की सबसे बेहतरीन विरासतों में से एक माना जाता है।

बिरयानी का लुत्फ उठाएं

हैदराबाद आएं और बिरयानी न खाएं ऐसा कैसे हो सकता है। लखनऊ की ही तरह हैदराबाद की बिरयानी भी वर्ल्ड फेमस है।

मोती खरीदें

हैदराबाद को सिटी ऑफ पर्ल्स के नाम से जाना जाता है। यहां के मोती दुनियाभर में मशहूर हैं। लिहाजा हैदराबाद जाएं तो मोती खरीदना न भूलें।

रेसिपी

स्वादिष्ट कलाकंद

सामग्री

1/3 कप पनीर
1/4 चीनी
आधा कप मलाई
8 चम्मच मिल्कपाउडर
आधा चम्मच इलायची पाउडर
10 बादाम, बारीक टुकड़ों में कटे हुए

विधि

एक बॉउल में पनीर, मिल्क पाउडर, चीनी, मलाई, आधा चम्मच इलायची पाउडर का मिश्रण तैयार कर लें। अब तैयार मिश्रण को एक पैन में डालकर धीमी आंच पर 20-25 मिनट तक ग ढ़ा होने तक चलाते रहें। जब मिश्रण तैयार हो जाए तो उसे एक चिकनाई लगी थाली में निकाल लें। कलाकंद जब ठंडा हो जाए तो उसे बर्फी के आकार में काट लें। बादाम के लंबे कटे बारीक टुकड़ों से इसे सजाएं और जब मीठा खाने का मन करे तो इसे सर्व करें।

मेथी मुठिया

सामग्री

250 ग्राम बारीक कटी हुई मेथी, 200 ग्राम गेहूं का आटा, 100 ग्राम मक्का आटा, 100 ग्राम बेसन, 2-3 हरी मिर्च, एक अदरक का टुकड़ा, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, चुटकी भर हींग, आधा चम्मच राई-जीरा, तेल, नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले गेहूं, बेसन और मक्का के आटे को एक साथ मिला लें। फिर उसमें नमक, हींग और मोयन डालकर हाथों से अच्छी तरह मिलाएं। अब मेथी को धो लें। मेथी और लाल मिर्च आटे में मिला दें। अदरक-हरी मिर्च को दरदरा पीस कर आटे में मिला दें। अब आटे को गूंथकर छोटे-छोटे मुठिए बना लें। इसके बाद एक पैन को आधा पानी से भरकर उबालने रख दें। जब पानी उबलने लगे तब ऊपर से छलनी रखें और मुठिए जमा कर ढक दें। मुठिए भाप में पक जाने के बाद उसे दो टुकड़ों में काटें। एक कड़ाही में तेल गर्म करके राई-जीरा अब, तिल्ली डालें और 1 कटी हरी मिर्च मुठियों पर डालें। खाने में पौष्टिक और कम फैट वाले मुठिए हरी चटनी या कढ़ी के साथ परोसें।

रात में नहाने के ये बेमिसाल फायदों के बारे में जरूर जानें

सुबह के समय तो हर कोई नहाता है लेकिन रात में हर कोई नहीं नहाता। गर्मी के मौसम में भी आजकल लोग ए.सी में रहने के कारण कम ही नहाते है।पर आपको बता दें कि रात में नहाने से जो फायदे होतें हैं वे आपको भी चौंका देंगे।डाक्टरों की माने तो दिन भर के कचरा और गंदगी भरे माहौल में रहने के बाद अगर नहाकर नहीं सोते तो गंदगी के रास्ते वायरल शरीर में प्रवेश करने लगता है। खास तौर पर बाल और चेहरा तो ज्यादा ही प्रदूषण को झेलते हैं। आइए रात को नहाने से होने वाले फायदो के बारे में जानते हैं।

1. मोटापा : मोटापे से परेशान लोगों को रोज रात को नहाना चाहिए। क्योंकि नहाने से कैलोरी कम होती है। कैलोरी कम होने से मोटापा का खतरा कम होता है।

2. इंफैक्शन : दिनभर की गंदगी से इंफैक्शन का खतरा रहता है। जो नहाने के बाद आसानी से निकल जाता है और मौसम से होने वाले फ्लू भी नहीं होते।

3. आंखें : गर्मी में आंखों का लाल होना या फिर आई फ्लू होना आम बात है। लेकिन इससे बचाव के लिए आंखों की पूरी तरह से सफाई जरूरी है। यदि आप रात को नहाते हैं तो इससे सिर्फ आंखें ही नहीं बल्कि पूरे चेहरे की सफाई भी अच्छे से हो जाती है।

4. स्किन प्रॉब्लम : दिन में काम के दौरान कई लोगों से मिलते है। सटकर बात करते है। ऐसे में पसीने से स्किन प्रॉब्लम की संभावना रहती है। जो नहाने से दूर हो जाती है।

5. गहरी नींद : कुछ लोगों को नींद न आने की समस्या रहती है। ऐसे में उन्हें रात को जरूर नहाकर सोना चाहिए। नहाने के बाद नींद भी अच्छी आती है और अच्छी नींद सेहत के लिए जरूरी है। कई बार नहीं नहाने से रात भर नींद नहीं आती है।

6. हाजमा सही रहता : रात को नहाना खाना पचाने में भी मददगार साबित होता है। खासकर तब जब आप रात में खाना खाने के बाद नहाते है तो आपका हाजमा भी सहीं रहता है।

7. मानसिक तौर पर रिलैक्स : नहाने से दिनभर की थकान और टेंशन भी खत्म हो जाती है। आप पूरी तरह से फ्रैश हो जाते हैं। इससे आपको मानसिक परेशानी भी कम होती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)